राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार,01 जनवारी–2023 वर्ष–5,अंक–335 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

श्रीनगर में रात का तापमान जमाव बिंदु से ऊपर पहुंचा माइनस 23.7 डिग्री हुआ द्रास का न्यूनतम तापमान

श्रीनगर । एक माह से अधिक समय के बाद शनिवार को श्रीनगर में रात का तापमान जमाव बिंदु से ऊपर चला गया। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अगले 24 घंटों के दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान लगाया है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा बादल छाए रहने के कारण शनिवार को श्रीनगर में एक महीने से अधिक समय के बाद न्यूनतम तापमान हिमांक बिंदु से ऊपर पहुंच गया। अगले 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की उम्मीद है। श्रीनगर में आज न्यूनतम तापमान 0.4 पहलगाम में माइनस 9 और गुलमर्ग में माइनस 8 डिग्री सेल्सियस रहा। लद्दाख क्षेत्र में द्रास का न्यूनतम तापमान माइनस 23.7 और लेह में माइनस 13.6 रहा। जम्मू में 6.1 कटरा में 6.2 बटोटे में 1.4 बनिहाल में 1.2 और भद्रवाह में माइनस 1.0 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा।

2022 में अब तक 93 मुठभेड़ों में 42 विदेशियों सहित 172 आतंकवादी ढ़ेर

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा कि कश्मीर में साल 2022 अब तक सुरक्षा बलों के साथ हुई 93 मुठभेड़ों में 42 विदेशियों सहित 172 आतंकवादी मारे गए हैं। एडीजीपी (कश्मीर) विजय कुमार ने कहा इस वर्ष लश्कर/टीआरएफ संगठन से मारे गए आतंकवादियों की संख्या 108 थी इसके बाद जैश के 35 एचएम के 22 अल-बदर के 4 और एजीयूएच के 3 आतंकवादी मारे गए। इसी प्रकार इस दौरान आतंकवादी रैंकों में सौ नई भर्तियां दर्ज हुई जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत कम है। इसमें से 74 लश्कर में शामिल हुए। इन नए रंगरूटों में से 65 मुठभेड़ों में मारे गए 17 गिरफ्तार किए गए और 18 अभी भी सक्रिय हैं। नए भर्ती किए गए आतंकवादियों में से 65 पहले महीने के भीतर ही मारे गए। एडीजीपी ने कहा इसके अलावा भारी मात्रा में हथियार 121 एके राइफलें 8 एम4 कार्बाइन और 231 पिस्तौल बरामद हुई। आईईडी बम और ग्रेनेड भी जब्त किया गया।

अटल सुरंग में 400 से अधिक वाहनों में फंसे पर्यटकों को सुरक्षित बचाया

बर्फबारी के बाद फिसलन की स्थिति बनी

मनाली । रोहतांग दर्रे में अटल सुरंग के दक्षिण पोर्टल के पास हिमपात के बाद 400 से अधिक वाहनों में फंसे पर्यटकों को सुरक्षित बचाया गया है। दरअसल गुरुवार को मनाली-लेह राजमार्ग और आसपास के इलाकों में सुरंग में बर्फबारी के बाद फिसलन की स्थिति के कारण वाहन फंस गए थे। अधिकारियों ने कहा कि केलांग और मनाली के पुलिस बल ने संयुक्त रूप से एक बचाव अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि इसमें 10-12 घंटे लगे और शुक्रवार सुबह चार बजे यह अभियान समाप्त हुआ जिसके बाद वाहन अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। पर्यटकों ने हालांकि कहा कि वे बर्फ को देखने और इसका आनंद लेने के लिए रोमांचित हैं। खराब मौसम के कारण फंसे सभी वाहन सुरक्षित साउथ पोर्टल पार कर गए हैं और फंसे हुए पर्यटकों तथा स्थानीय लोगों के लिए खाने की व्यवस्था की गई थी। पर्यटकों को सतर्कतापूर्वक वाहन चलाने की सलाह दी गई है। नया साल मनाने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक कुल्लू और मनाली में उमड़ रहे हैं और बर्फबारी के बाद पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। मनाली होटलियर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा कि सड़क पर बहुत सारे वाहनों के कारण अक्सर ट्रैफिक जाम हो जाता है लेकिन पंजीकृत कमरों में ठहरने वालों की संख्या वाहनों की आवाजाही के अनुसार नहीं है और ऐसा लगता है कि कई पर्यटक अनधिकृत स्थानों पर रह रहे हैं।

अमित शाह की दो टूक,

आईटीबीपी के जवानों के होते कोई भारत की एक इंच जमीन पर भी कब्जा नहीं कर सकता

बेंगलुरु। (एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की सराहना करते हुए उन्हें ''हिमवीर'' करार दिया और कहा कि जब वे सीमा पर गश्त कर रहे हैं, तो कोई देश की एक इंच जमीन पर भी अतिक्रमण नहीं कर सकता। आईटीबीपी जवानों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि वे कठिन परिस्थितियों में सीमाओं की रक्षा करते हैं और उनके लिए 'हिमवीर' की उपाधि पद्म श्री और पद्म विभूषण से बड़ी है।

शाह ने यहां आईटीबीपी के केंद्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन करने के बाद कहा कि हम सोच भी नहीं सकते कि शून्य से 42 डिग्री सेल्सियस से नीचे तापमान में वे कैसे हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं। यह दृढ़ इच्छाशक्ति और देशभक्ति की सर्वोच्च सेवा की भावना के साथ ही हो सकता है। आईटीबीपी अरुणाचल प्रदेश, लद्दाख या जम्मू-कश्मीर में विषम भौगोलिक परिस्थितियों में काम करती है।

शाह ने कहा कि भारत के लोग आईटीबीपी के जवानों को 'हिमवीर' कहकर बुलाते हैं। यह उपाधि पद्म श्री और पद्म विभूषण जैसे नागरिक पुरस्कारों से भी बड़ी है। जबकि, नागरिक पुरस्कार सरकारी उपाधि हैं, 'हिमवीर' भारत के लोगों द्वारा दी गई उपाधि है। उन्होंने कहा कि सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में से आईटीपीबी मौसम की सबसे विषम परिस्थितियों में काम करता है। गृह मंत्री ने कहा कि मैं भारत-चीन सीमा को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हूं और कभी चिंता नहीं करता, जब हमारे आईटीबीपी के जवान गश्त या डेरा डाले हुए हैं, तो वहां कोई भी हमारी एक इंच जमीन पर भी अतिक्रमण नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के कर्मियों को अपने मुख्यालय में अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए 100 दिन प्रदान करने की योजना बना रही है। शाह ने कहा, ''मानवीय दृष्टिकोण से यह आवश्यक है।

नववर्ष पर मुख्यमंत्री ने दी सौगात

संस्कृत महाविद्यालयों के सेवानिवृत्त एवं सेवारत शिक्षकों को पेंशन एवं नियमित वेतन परिलाभ स्वीकृत

जयपुर ।(एजेंसी)

प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सामाजिक सुरक्षा एवं कर्मचारी हित को लेकर सदैव क्रियाशील है। इसी कडी में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने संस्कृत महाविद्यालयों के कार्यरत एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों को नये वर्ष की सौगात देते हुए उन्हें नियमानुसार पे-स्केल तथा संशोधित पेंशन परिलाभ दिये जाने की स्वीकृति प्रदान की है। संस्कृत महाविद्यालयों के सेवानिवृत्त एवं कार्यरत शिक्षकों ने इस संवेदनशील निर्णय के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है। गहलोत द्वारा पूर्व में भी संस्कृत महाविद्यालय के शिक्षकों को सातवां वेतनमान एवं पे-बैण्ड- iv स्वीकृत किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि संस्कृत महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के वेतन परिलाभों को वर्ष 2017 में रोक दिया गया था। इसी प्रकार सेवानिवृत्त शिक्षकों को भी वर्ष 2017 में पेंशन परिलाभों से वंचित कर दिया गया था। इस कारण वर्ष 2017 के बाद सेवानिवृत्त हुए संस्कृत महाविद्यालयों के व्याख्याता प्रोफेसर एवं प्राचार्यों को प्रोविजनल पेंशन मिल रही थी।

मुख्यमंत्री ने दी 4 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति :-

चित्तौडगढ़ जिले में महाबलिदानी पन्नाधाय के पैतृक स्थल पाण्डोली में 'महाबलिदानी पन्नाधाय पेनोरमा' बनेगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पेनोरमा निर्माण के लिए 4 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री की इस स्वीकृति से पेनोरमा के लिए निर्धारित स्थल पर मुख्य पेनोरमा भवन सभागार हॉल पुस्तकालय प्रवेश द्वार प्रतिमा छतरी स्कल्पचर्स ऑडियो-विडियो सिस्टम शिलालेख एवं विभिन्न आर्ट वर्क सहित अनेक कार्य होंगे। इस पेनोरमा द्वारा पन्नाधाय के कृतित्व एवं व्यक्तित्व को विभिन्न माध्यमों के जरिए दर्शाया जाएगा जिससे आमजन को उनके अविस्मरणीय बलिदान त्याग साहस स्वाभिमान एवं स्वामिभक्ति की जानकारी मिलेगी।

भारत में भी बढ़े कोरोना के मामले सक्रिय मामले बढ़कर हुए 3653

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के 226 नये मामले सामने आये जिससे कुल संख्या बढ़कर 4.46 करोड़ हो गयी जबकि सक्रिय मामले बढ़कर 3653 हो गये। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय द्वारा सुबह 8 बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार मरने वालों की संख्या 530702 है जिसमें केरल द्वारा तीन मौतों को भी शामिल किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि कोरोना का डेली पॉजिटिविटी रेट 0.12 प्रतिशत दर्ज किया गया है जबकि वीकली पॉजिटिविटी रेट 0.15 प्रतिशत आंका गया है। मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटों में कोविड का पता लगाने के लिए 187983 टेस्ट किए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार सक्रिय मामलों में कुल संक्रमणों का 0.01 प्रतिशत शामिल है जबकि राष्ट्रीय रिकवरी रेट बढ़कर 98.80 प्रतिशत हो गया है। इसमें कहा गया है कि 24 घंटे की अवधि में सक्रिय कोविड मामलों की संख्या में 44 की वृद्धि दर्ज की गई है। बीमारी से ठीक होने वालों की संख्या बढ़कर 44144029 हो गई है जबकि मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। बता दें कि भारत की कोविड -19 टैली ने 7 अगस्त 2020 को 20 लाख का आंकड़ा पार कर लिया था 23 अगस्त को 30 लाख 5 सितंबर को 40 लाख 16 सितंबर को 50 लाख 28 सितंबर को 60 लाख 11 अक्टूबर को 70 लाख 29 अक्टूबर को 80 लाख 20 नवंबर को 90 लाख और 19 दिसंबर 2020 को एक करोड़ का आंकड़ा छू लिया था। देश ने 4 मई 2021 को दो करोड़ 23 जून 2021 को तीन करोड़ और 25 जनवरी को चार करोड़ के आंकड़े को छू लिया था।

आतंक को हथियार बना भारत को बातचीत की मेज पर लाना संभव नहीं : जयशंकर

नई दिल्ली। (एजेंसी)

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान और चीन को एक बार फिर आड़े हाथों लिया है। साइप्रस यात्रा के दौरान एक संबोधन में नाम लिए बिना पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा आतंकवाद को हथियार बनाकर भारत को बातचीत की मेज पर नहीं बैठाया जा सकता है। वहीं चीन के साथ सीमा विवाद मुद्दों पर एस जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ हमारे संबंध सामान्य नहीं हैं क्योंकि हम वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को एकतरफा बदलने के किसी भी प्रयास के लिए सहमत नहीं होंगे। अरुणाचल के तवांग सेक्टर में चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच हुई झड़प पर उन्होंने कहा कि हमारी सीमाओं पर चुनौतियां हैं जो कोविड के दौरान और बढ़ गई हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा मूल मुद्दों पर कोई समझौता नहीं होगा क्योंकि आतंकवाद से किसी भी देश को उतना नुकसान नहीं हुआ है जितना भारत को हुआ है। उन्होंने कहा कि हम बहुत स्पष्ट हैं कि हम आतंकवाद को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। पाकिस्तान पर परोक्ष रूप से हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि हम अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम आतंकवाद के मुद्दे पर समझौता कर लें। हम आतंकवाद को हथियार बनाकर भारत को बातचीत की मेज पर लाने के लिए मजबूर नहीं होने देंगे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता भारत के पास आने के बाद से ही पाकिस्तान आतंकवाद पर भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है। इसी मकसद से पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान सरकार के तमाम मंत्री प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत के खिलाफ जमकर बयानबाजी करते नजर आते हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल जरदारी भुट्टो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी करते हुए कहा था कि मैं भारत को बताना चाहता हूं कि ओसामा बिन लादेन तो मर चुका है लेकिन गुजरात का कसाई अभी जिंदा है और भारत का प्रधानमंत्री है। जरदारी ने भारत सरकार की विचारधारा को हिटलर से प्रभावित बताया था। पाकिस्तान की विदेश राज्य मंत्री हिना रब्बानी खार ने भी भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए कहा था कि भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ ने पाकिस्तान में पिछले दो सालों में 1200 से ज्यादा आतंकी हमले किए हैं।

राष्ट्रपति पुतिन ने भारत को क्रिसमस और नए साल की शुभकामनाएं दी

राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी को भेजा बधाई संदेश

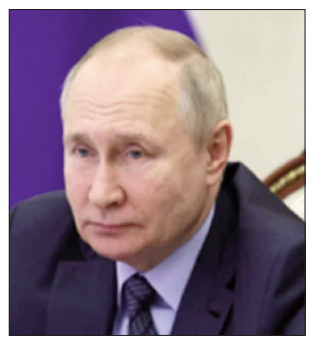

नई दिल्ली । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत को क्रिसमस और नए साल की शुभकामनाएं दी हैं। भारत में रूसी दूतावास के द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी को भेजे संदेशों में पुतिन ने भारत और रूस के संबंधों को और बेहतर बनाने की बात कही। पुतिन ने कहा कि साल 2022 में रूस और भारत ने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ और दोस्ती और आपसी सम्मान की सकारात्मक परंपराओं पर भरोसा किया और यह आगे भी जारी रहेगा। रूसी पुतिन ने कहा मुझे विश्वास है कि एशिया और दुनिया में स्थिरता और सुरक्षा को मजबूत करने के हित में भारत की हाल ही में शुरू हुई एससीओ और जी20 अध्यक्षता हम सभी को लाभ पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि ये दोनों मंच बहु-आयामी रूस-भारत सहयोग के निर्माण के लिए नए अवसर देगी। पुतिन ने कहा कि भारत और रूस अपनी विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को विकसित करना आगे भी जारी रखने वाले हैं।

योगी स्टाइल में अनंतनाग में आंतकी के घर पर चला बुलडोजर

जम्मू ।(एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर में सरकार ने अनंतनाग जिले के पहलगाम में हिज्बुल मुजाहिदीन के आतंकवादी कमांडर आमिर खान की सार्वजनिक भूमि पर कब्जा की हुई संपत्तियों को बुल्डोजर से ध्वस्त कर दिया। अनंतनाग जिले के पहलगाम में हिज्बुल मुजाहिदीन के आतंकवादी कमांडर आमिर की सार्वजनिक भूमि पर कब्जा की हुई संपत्तियों को बुल्डोजर से ध्वस्त कर दिया। बता दें कि पाकिस्तान में स्थित यूनाइटेड जिहाद काउंसिल के उप अध्यक्ष आमिर खान जो मूल रूप से अनंतनाग के लिवर गांव में रहता है ने बंदूक की नोंक पर 3 मरला सार्वजनिक भूमि पर कब्जा कर लिया था जिसे अब सरकार अतिक्रमण कर हटाया जा रहा है।

पीएम मोदी को हराने के लिए एक मजबूत विचारधारा की जरुरत जो कांग्रेस दे सकती : राहुल गांधी

- मप्र में विधानसभा चुनाव में भाजपा की करारी हार हो रही

नई दिल्ली । (एजेंसी)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने 'भारत जोड़ो यात्रा' को उम्मीद से ज्यादा सफल बताकर कहा है कि इस यात्रा के द्वारा वह देश को जोड़ने और नफरत तथा हिंसा के माहौल को मिटाना चाहते हैं एवं उन्हें लगता है कि इस लक्ष्य पर सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। राहुल गांधी ने शनिवार को कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि इस यात्रा से उन्होंने बहुत कुछ नया सीखा है। यात्रा के दौरान भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने उनकी जो आलोचना की है उससे भी उन्हें सीख मिली है इतनी ही नहीं इससे उनकी बुनियादी सोच इससे और मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के द्वारा वह देशवासियों को जीने का नया तरीका देना चाहते हैं लेकिन यह तरीका लोगों तक नहीं पहुंचे इसके लिए भाजपा और आरएसएस उन्हें बदनाम करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह सच्चाई के मार्ग पर चल रहे हैं वह जानते हैं कि सच्चाई को कोई भी दुष्प्रचार छिपा और मिटा नहीं सकता है। उनका कहना था कि अब तक करीब 5000 करोड़ उन्हें बदनाम करने के प्रचार पर खर्च हो चुके हैं लेकिन इससे उन पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा है और यदि इस काम पर और भी खर्च करे तब भी कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। विपक्षी नेताओं को लेकर राहुल गांधी ने कहा कि पूरा विपक्ष एक साथ खड़ा है और भारत जोड़ो यात्रा में जो शामिल होना चाहते हैं उनका वह स्वागत होगा। भारत को जोड़ने की जो बात नहीं करता है नफरत और हिंसा पलानी पर विश्वास करते हैं वे लोग यात्रा में उनके साथ नहीं चल सकते हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी सुप्रिमो मायावती के साथ उन्होंने वैचारिक रिश्ता बताकर कहा कि ये सब देश में हिंसा और नफरत के माहौल के विरुद्ध हैं लेकिन कहा कि सपा की सोच कांग्रेस की तरह राष्ट्रीय स्तर की नहीं है। उनका विचार केरल तमिलनाडु बिहार या अन्य राज्यों में नहीं चल पाएगा लेकिन उत्तरप्रदेश में उनका विचार चल रहा है इसकारण राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा से लड़ने का एकमात्र विकल्प कांग्रेस और इसकी विचारधारा है। सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ने संबंधी नोटिस को लेकर सवाल पर उन्होंने कहा मैं भारत जोड़ो यात्रा कर रहा हूं और वे चाहते हैं कि मैं बुलेटप्रूफ गाड़ी में बैठकर यात्रा करुं और यह संभव नहीं है लेकिन यदि उनका कोई नेता बुलेटप्रूफ गाड़ी से रोड शो के दौरान बाहर आता है तब वहां कोई सुरक्षा प्रोटोकॉल का मसला नहीं आता है। मतलब मेरे लिए और उनके नेताओं के लिए दो अलग-अलग प्रोटोकॉल है। भारत जोड़ो यात्रा में मैं पैदल चल रहा हूं तब इसमें बुलेटप्रूफ गाड़ी में जाना संभव ही नहीं है इसकारण यह आरोप गलत है कि राहुल गांधी सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ रहे हैं। विपक्षी एकता और चुनाव जीतने पर इसके असर को लेकर पूछे सवाल पर राहुल गांधी ने कहा कि जमीनतौर पर वह जो कुछ देख रहे हैं और उस समझ रहे हैं उसे देख कर वह कह सकते हैं कि माहौल अनुकूल है और यदि विपक्ष साथ-साथ चलेगा तब चुनाव जीतना बहुत आसान होगा। उन्होंने कहा भाजपा और कांग्रेस कभी एक नहीं हो सकते है। अगर दोनों में एक होने की संभावना होती तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी कभी कांग्रेसमुक्त भारत की बात ही नहीं करते। भाजपा से पुरानी और वैचारिक लड़ाई है इसलिए दोनों कभी एक नहीं हो सकते। पूरा देश एक विचारधारा के कब्जे में है और उस विपक्ष की एकजुटता से भी नहीं हराया नहीं जा सकता है। इस हराने के लिए एक पूरी विचारधारा की जरूरत है यह सिर्फ कांग्रेस ही कर सकती है जो पूरे देश में अपनी विचारधारा के साथ लड़ रही है। बीजेपी को काउंटर करने का तरीका प्रधानमंत्री पद के चेहरे के बारे में पूछने पर कांग्रेस नेता ने कहा मेरा मुख्य ध्यान अभी अखंड भारत के लिए है हमें नफरत के खिलाफ लड़ना चाहिए। मेरा ध्यान केवल भारत को एकजुट करने पर है। उन्होंने कहा कि कई समान विचारधारा वाले दल चाहते हैं कि भारत में सद्भाव बना रहे। मुझे पता है कि अखिलेशजी और मायावतीजी भारत को नफरत से मुक्त करना चाहते हैं और देश में सद्भाव चाहते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

समृद्ध होगा लोकतंत्र

रिमोट वोटिंग सिस्टम का तैयार होना निस्संदेह चुनाव प्रक्रिया को प्रवासी मतदाताओं की सुविधा के अनुरूप बनाने की दिशा में अभिनव कदम है, लेकिन जरूरी है कि व्यवस्था पारदर्शी हो। यह कदम राजनीतिक दलों को भरोसे में लेकर ही उठाया जाना चाहिए ताकि ईवीएम विवाद जैसे मुद्दे फिर न उभरें। इसके क्रियान्वयन से पहले इससे जुड़े कानूनी, प्रशासनिक तथा तकनीकी पक्षों पर गहन मंथन जरूरी है। इस प्रक्रिया में भाग लेने वाले मतदाताओं के वोट को निष्पक्षता और पारदर्शिता से अंजाम देना भी अपरिहार्य है। निस्संदेह आरवीएम चुनाव सुधारों की राह भी प्रशस्त करती है। दरअसल, चुनाव आयोग ने उन मतदाताओं की सुविधा के लिये रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन विकसित की है जो कामकाज के सिलसिले में अपने मूल स्थानों से दूर-दराज के इलाकों में रह रहे हैं। जाहिरा तौर पर अपना काम-धंधा छोड़कर और आवागमन का खर्च करके वोट डालने जाने में लाखों लोग गुरेज करते हैं। श्रमिक वर्ग की सोच रहती है कि कई दिन की दिहाड़ी मारी जायेगी। वहीं राजनेताओं की विश्वसनीयता का क्षरण भी उसे उद्वेलित करता है। आम धारणा होती है कि सामाजिक सरोकारों के प्रति जनप्रतिनिधियों का रवैया संवेदनशील नहीं रहता। ये स्थिति करोड़ों मतदाताओं को मतदान स्थल पहुंचने के लिये प्रेरित नहीं करती। ग्रामीण क्षेत्रों व कस्बों में रोजगार का गिरता ग्राफ करोड़ों लोगों को देश के विभिन्न भागों में काम करने के लिये जाने को बाध्य करता है। वैसे भी मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में घर के पास मनमाफिक रोजगार मिल पाना सहज भी नहीं है। हर व्यक्ति की योग्यता के अनुरूप काम अपना घर-बार छोड़कर ही मिल सकता है। मगर मन में यह भाव रहता है कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बनें। निस्संदेह रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन विकसित होने की पहल से उनकी आकांक्षा पूरी हो सकेगी और उनका आर्थिक नुकसान भी नहीं होगा। अब चुनाव आयोग की पहल के बाद देश के करोड़ों लोगों में चुनाव प्रक्रिया में भागीदारी का उत्साह फिर से कायम हो पायेगा। बहुत संभव है कि चुनाव आयोग की इस पहल के बाद विभिन्न क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत में वृद्धि हो। कालांतर में ऐसी व्यवस्था देश में की जानी चाहिए कि अल्पकाल के लिये यात्रा में निकले, वृद्ध व बीमार मतदाताओं को सुविधानुसार मतदान का अधिकार मिले। दरअसल, मतदान के दौरान यातायात,मौसम व अन्य बाधाओं के कारण बड़ी संख्या में लोग मतदान केंद्रों तक नहीं पहुंच पाते। लोगों की इच्छा तो होती है कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लें। लेकिन चाहकर भी परिस्थितिवश वे भाग नहीं ले पाते। यही वजह है कि देश में करोड़ों व्यक्ति इच्छा होने के बावजूद मतदान नहीं कर पाते। निस्संदेह, आने वाले वर्षों में आयोग की इस पहल के सिरे चढ़ने के बाद मतदान के प्रतिशत में अपेक्षित सुधार हो सकेगा। विश्वास है कि देश का राजनीतिक वर्ग इस पहल का स्वागत करेगा। हाल के दिनों में ईवीएम मशीनों को लेकर जैसी राजनीति की जाती रही है, वह भी मतदाताओं का उत्साह कम करती है। यह विडंबना ही है कि देश की चुनाव प्रक्रिया जिन विद्रूपताओं और विसंगतियों से जूझ रही है उसे दूर करने के लिये राजनीतिक दलों द्वारा ईमानदार पहल होती नजर नहीं आती है। कहने को देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लेकिन उसे पारदर्शी व विश्वसनीय चुनाव प्रक्रिया देने के प्रयासों को पलीता लगाने में तमाम राजनीतिक दल पीछे नहीं हैं।

चीनी अनदेखी कर ताइवान से आर्थिक रिश्ते

गौरतलब है कि शी जिनपिंग द्वारा राष्ट्रपति का पदभार संभालने से पहले वाले सालों में, 1 अप्रैल, 2005 को 'सीमा विवाद हल एकमुश्त समझौता' यानी 'पैकेज सेटलमेंट' के दिशा-निर्देश सिद्धांतों पर सहमति बन गई थी। इसमें कहा गया था 'परस्पर सम्मान और समझ की भावना के तहत दोनों पक्ष सीमारेखा पर अपनी-अपनी मौजूदा स्थितियों में लेन-देन करने को राजी हैं ताकि इलाकाई विवाद सदा के लिए खत्म हो सके।

जी. पार्थसारथी

हाल ही में चीन के साथ पूरबी सीमा पर तनाव पुनः भड़क उठा, जब अरुणाचल प्रदेश में मैकमोहन सीमारेखा के ठीक दक्षिण में स्थित सामरिक महत्व के मॉनेस्ट्री शहर के पास चीनी सैनिकों ने अपनी गतिविधियां दिखाईं। वर्ष 1962 के युद्ध में त्वांग पर चीनी सेना ने कब्जा कर लिया था, परंतु युद्ध-विराम उपरांत वापस लौट गई। पहले त्वांग को लेकर चीन के रुख को एक तरह से सीमारेखा की अनाधिकारिक स्वीकारोक्ति माना जाता था और यह भारत-चीन सीमा की निशानदेही करती रही। लेकिन आगे का घटनाक्रम, जैसे कि 1986 में तवांग जिले से लगती सुमदोरोंग-चू घाटी में चीनी घुसपैठ ने साफ संकेत कर दिया कि चीन यथास्थिति को चुनौती देने को तैयार है। लद्दाख में मौजूदा तनाव त्वांग के साथ लगते क्षेत्र में है। चीन के साथ संबंध सुधरने की कभी पहले रही आस राष्ट्रपति शी जिनपिंग के राष्ट्रपति बनने से बाद से बिखरने लगी थी और यह स्थिति 2014 में नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जिनपिंग को दिए गर्मजोशी पूर्ण स्वागत के बावजूद बनी। हकीकत यह है कि चीन लगातार भारत के प्रति आक्रामकता दिखाता आया है, इसका नवीनतम उदाहरण लद्दाख में भारतीय भूभाग पर कब्जे के प्रयास वाली अभूतपूर्व करतूत है, हालांकि उसको भारत की जोरदार टक्कर का सामना करना पड़ा। बेशक वहां फिलहाल बल प्रयोग विराम लागू है किंतु चीन भारतीय इलाके पर जमा हुआ है। इसके अलावा अब भारत को अरुणाचल प्रदेश में चीनी घुसपैठ का सामना करना पड़ रहा है। लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश की घटनाओं से भारतभर में शी जिनपिंग की नीयत को लेकर अविश्वास है। गौरतलब है कि शी जिनपिंग द्वारा राष्ट्रपति का पदभार संभालने से पहले वाले सालों में, 1 अप्रैल, 2005 को 'सीमा विवाद हल एकमुश्त समझौता' यानी 'पैकेज सेटलमेंट' के दिशा-निर्देश सिद्धांतों पर सहमति बन गई थी। इसमें कहा गया था 'परस्पर सम्मान और समझ की भावना के तहत दोनों पक्ष सीमारेखा पर अपनी-अपनी मौजूदा स्थितियों में लेन-देन करने को राजी हैं ताकि इलाकाई विवाद सदा के लिए खत्म हो सके। इसके लिए सीमारेखा की निशानदेही सुस्पष्ट और आसानी से पहचाने जा सकने वाले प्राकृतिक और भौगोलिक चिन्हों द्वारा की जाएगी, जो दोनों पक्षों को मंजूर हो।' आगे कहा 'सीमा संधि के मुताबिक दोनों पक्षों को अपनी-अपनी वास्तविक स्थिति में यथेष्ट बदलाव करने होंगे। शी जिनपिंग के राज वाले चीन के साथ यह संधि सिरे चढ़ पाएगी, इस पर बहुत शक है, क्योंकि चीन के अपने लगभग तमाम पड़ोसी मुल्कों के साथ थलीय या जलीय सीमा विवाद जारी हैं और दुनियाभर में ऐसा और कोई देश नहीं है। शी जिनपिंग के नेतृत्व वाले वर्तमान चीन से बरतते वक्त यह बात ज़हन में रखनी होगी कि अपने विरोधियों से व्यवहार में वे प्रतिरोधी और विषैला रुख रखते हैं, चाहे वह अंदरूनी हो या बाहरी। चीन की स्वघोषित सागरीय सीमारेखा रक्षा नीति में नियंत्रण पाने को बल प्रयोग करना एक अवयव है। हालांकि दुनिया को ज्यादा झटका जिनपिंग के उस तरीके से लगा जब 22 अक्तूबर को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अधिवेशन के दौरान उन्होंने अपने पूर्ववर्ती हू जिन्ताओ का सार्वजनिक तिरस्कार करवाया। सत्तारूढ़ प्रशासन के अधिकांश वरिष्ठ सदस्यों के बीच मतभेद होना नई बात नहीं परंतु पद से उतर चुके वरिष्ठ सदस्यों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार की रिवायत रही है। जिस वक्त सुरक्षा कर्मी हू जिन्ताओ को बैठक से बलपूर्वक हटा रहे थे, शी जिनपिंग अपने पूर्ववर्ती की यह बेइज्जती चुपचाप देखते रहे। इस बीच, सुधारवाद के पक्षधर प्रधानमंत्री ली किकियांग को कार्यकाल पूरा होने के बाद बदल दिया गया है और उनकी जगह जिनपिंग के चाटुकार ली कियांग ने ली है। भारत के विषय में, लगता है शी जिनपिंग अपनी मौजूदा नीति आगे भी जारी रखेंगे और लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में टुकड़ों-टुकड़ों में इलाका कब्जाने वाली चीनी रणनीति भी शायद जारी रहे। हालांकि भारत ने पिछले दो दशकों में चीनी सीमा पर अपने सड़क तंत्र में विस्तार के लिए बड़े स्तर पर यत्न किए हैं, फिर भी सीमांत क्षेत्र में सड़क और संपर्क मामले पर बहुत कुछ करना बाकी है। ज्यादा अहम यह है कि क्या अगले साल भारत की मेजबानी में जी-20 के शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग भाग लेने आएंगे या नहीं। जैसा कि सबको पता है, भारत लंबे अरसे से ताइवान के साथ प्रगाढ़ व्यापारिक संबंध स्थापित करने को लेकर बिना बात अति-सतर्कता बरतता आया है। पिछले दो दशकों में साफ दिखा है कि यदि भारत को आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स औद्योगिक उत्पादन की धुरी बनना है तो जापान और दक्षिण कोरिया जैसी इलेक्ट्रॉनिक्स शक्ति बनने की सख्त जरूरत है। इसके लिए जरूरी है कि इनकी तरह भारत में भी इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग का विश्वसनीय आधारभूत ढांचा हो ताकि सेमीकंडक्टर और कम्प्यूटर चिप्स जैसे महत्वपूर्ण पुर्जों की डिजाइनिंग, विकास और उत्पादन यहां हो सके। अब मोदी सरकार ने तय किया है कि ताइवान के सहयोग से भारत अपना आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग स्थापित करेगा और इस सहयोग पर चीन की प्रतिक्रिया और रोक-टोक की परवाह नहीं करनी है। ताइवान के साथ बड़े स्तर पर औद्योगिक सहयोग बनाने पर चीन का कोपभाजन बनने के विगत भय को तजकर भारत ने अब औपचारिक रूप से घोषणा कर दी है कि वेदांता उद्योग समूह जल्द ही गुजरात में महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाई का नींव पत्थर रखने जा रहा है। ताइवान की विशालकाय टेलीकॉम कंपनी फॉक्सकॉन की भागीदारी वाली इस परियोजना में 20 बिलियन डॉलर का आरंभिक निवेश होना है और संकेतों के अनुसार शीघ्र इसमें निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा और उत्पादन 2024 तक। इससे भारत भर में इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग का विस्तार होने की राह खुलेगी। फिलहाल महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में विशेष इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग कलस्टर बनाए जाने की बात है। जाहिर है यह इलेक्ट्रॉनिक्स क्षमता भारत के विशाल आईटी उद्योग के लिए और फायदेमंद होगी। यह भारत सरकार को देखना है कि कि इलेक्ट्रानिक्स उद्योग का विस्तार देशभर में हो सके। यहां गौरतलब है कि भू-राजनीतिक रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के विकास में चीन दुनिया का पसंदीदा गंतव्य स्थल और विशेष भागीदार पहले जितना नहीं रहा। एप्पल कंपनी अपना आई-फोन उत्पादन चीन से भारत में लाने की प्रक्रिया में है और आईपैड एवं होमपैड का उत्पादन वियतनाम ले जा रही है। कदाचित अमेरिकी व्यापार के लिए भी चीन को अधिमान अब नहीं रहा, जबकि वर्ष 1978 से यही हो रहा था जब तत्कालीन चीनी नेता देंग शियाओ पिंग ने वाशिंगटन यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन को शीशे में उतार लिया था।

आज का राशीफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे ड्ड

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

वर्ष 2023 आर्थिक दृष्टि से भारत के लिए एक सुनहरा वर्ष साबित होगा

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

अब तो वैश्विक स्तर पर विभिन्न वित्तीय संस्थानों जैसे विश्व बैंक अंतरराष्ट्रीय मॉनेटरी फंड यूरोपीयन यूनियन एशियाई विकास बैंक आदि ने वर्ष 2023 में भारत को पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आर्थिक प्रगति करने वाला देश बने रहने की सम्भावना पूर्व में ही व्यक्त कर दी है और यह पूर्वानुमान विश्व के लगभग समस्त विकसित देशों के आर्थिक संकटों में घिरे रहने के बीच लगाया गया है। हालांकि इस बीच हाल ही के समय में चीन एवं कुछ अन्य देशों में कोरोना महामारी का प्रकोप फिर से बढ़ता दिखाई दे रहा है तथा यूक्रेन एवं रूस के बीच युद्ध समाप्त होने के आसार दिखाई नहीं दे रहे हैं परंतु फिर भी इन समस्त विपरीत परिस्थितियों के बीच भारत किस प्रकार पूरे विश्व में एक चमकते सितारे के रूप में दिखाई दे रहा है। दरअसल यह सब भारत सरकार द्वारा समय समय पर लिए गए कई आर्थिक निर्णयों के चलते सम्भव होता दिखाई दे रहा है। पूरे विश्व में आज ऐसा कोई देश नहीं है जिसमें वर्ष 2015 के बाद से 50 करोड़ के आसपास बैंक खाते खोले गए हों। एक अनुमान के अनुसार भारतीय बैंकों में खोले गए उक्त खातों में से 90 प्रतिशत से अधिक खातों में निरंतर व्यवहार किए जा रहे हैं। देश की एक बहुत बड़ी आबादी को बैंकों के साथ जोड़कर उन्हें वित्तीय रूप से साक्षर बनाया गया है। साथ ही भारत में ही वर्ष 2015 के बाद से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 3 करोड़ नए मकान केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा नागरिकों को सौंपे गए हैं एवं अभी भी सौंपे जा रहे हैं। इसी प्रकार ऊहर घर में नलऊ एक विशेष योजना के अंतर्गत 2.43 करोड़ परिवारों को नल के नए कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। कोरोना जैसी महामारी से अपने नागरिकों को बचाने के उद्देश्य से भारत में अपना स्वयं का स्वदेशी टीका विकसित कर 220 करोड़ से अधिक कोरोना के टीके मुफ्त ही अपने नागरिकों को लगाए गए हैं जो कि पूरे विश्व में एक रिकार्ड है। इसके चलते ही भारत में कोरोना जैसी महामारी पर नियंत्रण स्थापित किया जा सका है। कोरोना जैसी भयंकर महामारी के बीच प्रारम्भ की गई गरीब अन्न योजना जिसके अंतर्गत दिसम्बर 2023 तक 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त 5 किलो अनाज उपलब्ध कराया जाता रहेगा। भारत में लगभग 10 करोड़ परिवारों को स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराए गए हैं जिसके अंतर्गत परिवार के सदस्यों को 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा प्रतिवर्ष उपलब्ध रहेगा। इस प्रकार लगभग 50 करोड़ नागरिकों को इस स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत शामिल कर लिया गया है। आप जरा उक्तवर्णित आंकड़ों पर गौर करें आज पूरा विश्व ही आश्चर्य चकित है कि भारत में केंद्र सरकार किस प्रकार इतने बड़े स्केल पर भारत की जनता के हितार्थ आर्थिक निर्णय ले रही है एवं इस संबंध में अपने लिए निर्धारित किए गए लक्ष्यों को तेजी से प्राप्त करती जा रही है। यहां पर उक्त तो केवल कुछ उदाहरण दिए गए हैं वरना वर्ष 2014 के बाद से इस प्रकार के अनेकों निर्णय कई क्षेत्रों में लिए गए हैं जिनसे पूरा विश्व ही आज हक्का बक्का हो गया है। वैश्विक स्तर पर भारत ने अभी हाल ही में कई क्षेत्रों में अपनी अगुवाई सिद्ध की है। सूचना प्रौद्योगिकी का क्षेत्र तो पूरे विश्व में एक तरह से भारतीय मूल के इंजीनियरों द्वारा चलाया जा रहा है। अमेरिका की सिलिकोन वैली इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। भारत में डिजिटल प्लेटफोर्म को जिस प्रकार से शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्र एवं दूर दराज के इलाकों तक फैलाया गया है इसको देखकर पूरा विश्व ही आज आश्चर्यचकित है एवं इस क्षेत्र में विकसित देश भी आज भारत से मार्गदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। फार्मा उद्योग एक और ऐसा क्षेत्र है जिसमें भारत आज पूरे विश्व के लिए एक फार्मेसी हब बन गया है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने विश्व के लगभग समस्त देशों को दवाईयां उपलब्ध करवाईं। आज पूरे विश्व में सबसे अधिक दवाईयों एवं टीकों का निर्माण भारत में हो रहा है एवं भारत ही विभिन्न देशों को दवाईयां एवं टीके उपलब्ध करवा रहा है। हाल ही के समय में भारत ने औटोमोबाइल एवं मोबाइल के उत्पादन के क्षेत्र में भी द्रुत गति से विकास किया है। भारत सरकार द्वारा 23 प्रकार के विभिन्न उद्योगों के लिए लागू की गई उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना का लाभ अब इन दो उद्योगों के साथ ही कुछ अन्य उद्योगों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। भारत ने पर्यावरण के क्षेत्र में सुधार करने की दृष्टि से भी फोसिल फ़्यूल (डीजल पेट्रोल एवं कोयला) के उपयोग को कम कर नॉन-फोसिल फ़्यूल (सूर्य की रोशनी एवं वायु से निर्मित फ़्यूल) के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इस संदर्भ में भारत ने अपनी अगुवाई में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 70 देशों को मिलाकर एक समूह भी बनाया है जो कि इन सदस्य देशों में नॉन-फोसिल फ़्यूल के उपयोग को बढ़ावा देगा। इससे पूरे विश्व में डीजल पेट्रोल एवं कोयले पर निर्भरता बहुत कम हो जाएगी। भारत अभी तक सुरक्षा के क्षेत्र में पूर्णतः आयातित उत्पादों पर ही निर्भर रहता था। छोटे से छोटा उत्पाद भी विकसित देशों से आयात किया जाता रहा है। परंतु हाल ही के समय में भारत ने सुरक्षा के क्षेत्र में आत्म-निर्भरता हासिल करने की ओर अपने कदम बढ़ा दिये हैं। बल्कि भारत आज सुरक्षा के कई उपकरणों मिसाईल एवं हवाई जहाज जैसे उच्च स्तर के उत्पादों सहित का निर्यात भी करने लगा है। इसी प्रकार कृषि के क्षेत्र में भी भारत ने अकल्पनीय विकास किया है। अभी हाल ही में रूस एवं यूक्रेन के बीच छिड़े जंग के कारण कई देशों को भारत ने ही गेहूं जैसे खाद्य पदार्थों का निर्यात कर इन देशों के नागरिकों की भूख मिटाने में सफलता पाई। आज भारत से कृषि उत्पादों का निर्यात बहुत ही तेज गति से आगे बढ़ रहा है। देश में आज खाद्यान (गेहूं एवं धान) उत्पादों से अधिक दलहन तिलहन फल एवं सब्ज़ियों जैसे उत्पादों का अधिक उत्पादन हो रहा है जिससे किसानों की आय में तेज गति से वृद्धि हो रही है एवं जिसके कारण भारत के ग्रामीण इलाकों में गरीबी भी तेजी से कम हो रही है इसकी सराहना तो विश्व बैंक एवं आईएमएफ ने भी अपने प्रतिवेदनों में की है। भारत ने हाल ही में यूनाइटेड अरब अमीरात एवं आस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए हैं एवं ब्रिटेन अमेरिका यूरोपीयन यूनियन देशों के साथ भी इस तरह के द्विपक्षीय समझौते शीघ्र ही सम्पन्न किये जा रहे हैं। हाल ही में सम्पन्न किए गए इन समझौतों का प्रभाव भी वर्ष 2023 में पूर्ण तौर पर दिखाई देगा। यूनाइटेड अरब अमीरात तो सम्भावना व्यक्त कर रहा है कि शीघ्र ही उसका भारत के साथ विदेशी व्यापार 10000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को छू सकता है। इस प्रकार की उम्मीद आस्ट्रेलिया एवं ब्रिटेन जैसे देश भी कर रहे हैं। अमेरिका एवं चीन से तो पहिले से ही भारत का व्यापार 10000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के ऊपर पहुंच चुका है। भारत को आर्थिक क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने का अभी हाल ही में एक और मौका मिला है। भारत को जी-20 देशों की अध्यक्षता एक वर्ष के लिए सौंपी गई है। जी-20 देशों के समूह की अध्यक्षता भारत को मिलना अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि इसलिए मानी जा रही है क्योंकि पूरे विश्व के सकल घरेलू उत्पाद का 85 प्रतिशत हिस्सा इस समूह के देशों से आता है।

विचार मंथन

1 गांव 1 मंदिर 1 कुआं 1 श्मशान

विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने शुक्रवार को इंदौर में बड़ी अच्छी बात कहीं। उन्होंने कहा कि मजहबी कट्टरता देश के लिए संकट बन रही हैं। मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्ति मतांतरण लव जिहाद इस्लामिक घुसपैठ जनसंख्या असंतुलन इस्लामिक हिंसा और गोवंश की हत्या रोकने के लिए बैठक में प्रस्ताव तैयार किया। वहीं दूसरी ओर विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा सामाजिक समरसता के लिए एक गांव एक मंदिर एक कुआं और एक श्मशान होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग अपने मूल धर्म में वापस लौटने के लिए तैयार हों उन्हें सामाजिक आर्थिक और कानूनी रूप से मदद की जाए। विश्व हिंदू परिषद के महामंत्री और उनके राष्ट्रीय प्रवक्ता ने जो बातें कही हैं। उनमें स्पष्टता नहीं है। बैठक में जो प्रस्ताव पारित कर रहे हैं। उसको लेकर ना तो उस पर हिंदू विश्वास कर पाएगा नाही मुसलमान विश्वास कर पाएगा। इस बात को विश्व हिंदू परिषद को समझना चाहिए। विश्व हिंदू परिषद नई सोच के साथ आगे बढ़ रही है। एक गांव एक मंदिर एक कुआं और एक श्मशान इसका मतलब है कि सभी वर्गों के लिए सामान विचारधारा के साथ सभी लोग हिंदू धर्म को स्वीकार कर लें तभी यह संभव होगा। महामंत्री मिलिंद परांडे ने भी मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्ति मतांतरण लव जिहाद इस्लाम में घुसपैठ और जनसंख्या गोवंश हत्या रोकने को लेकर जो बात कही है उसका एक ही आशय निकाला जा सकता है कि भारत में रहने वाली सभी जनसंख्या को हिंदू धर्म स्वीकार करना होगा। जो अनादि काल से आज तक कभी संभव नहीं हुआ ना कभी होगा। भारत में शिव और वैष्णव के बीच में भी मत-भिन्नता रही है। अनादि काल से इनके बीच में भी वैचारिक दृष्टि से लड़ाइयां होती रही हैं। वर्तमान में भी यदि हम देखें तो हिंदू समाज में भी राम भक्त कृष्ण भक्त शिवभक्त वैचारिक दृष्टि से अलग-अलग होकर अपनी ढपली और अपना राग बजाते हैं। बौद्ध जैन सिख सब अपने-अपने धर्म को मानते हैं। सब हिंदू हैं लेकिन सबकी विचारधारा अलग-अलग है। सबकी पूजा पद्धति अलग-अलग है सब की मान्यताएं अलग-अलग हैं। विश्व हिंदू परिषद वर्तमान में हिंदुओं की सबसे बड़ी पैरोकार बनकर सामने है। इसको इस बात का जवाब भी देना पड़ेगा कि हमारे आदिवासी पिछड़े दलित के लिए विश्व हिंदू परिषद और तथाकथित हिंदू समाज ने क्या किया। उन्होंने इस्लाम और ईसाई धर्म क्यों स्वीकार किया। 1000 साल पहले भारत में लगभग सभी हिंदू थे। फिर इतनी बड़ी संख्या में धर्मांतरण क्या केवल इसलिए हुआ की तलवार के बल पर या पैसा देकर धर्मांतरण कराया गया है। सही मायने में विश्व हिंदू परिषद को इस सोच से बाहर निकलना चाहिए। 10वीं शताब्दी में सैकड़ों और हजारों की संख्या में मुस्लिम आक्रांता भारत आए। उस समय मुट्ठी भर हजारों आक्रांताओं ने लाखों की रियासत पर कब्जा कर लिया। जनता ने तथाकथित राजाओं और शासकों का साथ नहीं दिया। तब भी गरीब और शोषित हिन्दू राजाओं एवं सामा जिक उत्पीड़न का शिकार था। आक्रांताओं से अपनी रक्षा ना करके हिंदू समाज के लोगों को समाज से बाहर निकालने का काम किया। उनका हुक्का पानी बंद किया। उनकी मुसीबत में समाज ने कोई साथ नहीं दिया। केवल आदर्श एवं श्रेष्ठता का प्रदर्शन करते रहे। मुसीबत के समय हम गरीबों एवं जरुरतमंदों के साथ खड़े नहीं हुए। विश्व हिंदू परिषद इस बात पर भी विचार करें कि भारत में रहने वाले सारे मुस्लिम हिंदू धर्म स्वीकार कर लें। अपनी मस्जिदों को तोड़ लें तो क्या आप उन्हें अपने समकक्ष स्वीकार कर लेंगे। उनका खानपान उनकी आर्थिक स्थिति उनका रहन-सहन उनकी वैचारिक दृष्टि के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा। उनके प्र ति प्रेम और समरसता का भाव पूरी हिंदू समाज में होगा। यदि व्यवहार में ऐसा प हिले होता तो हिंदू समाज का कोई भी व्यक्ति कभी मुसलमान और ईसाई नहीं बनता। लोग अपने माता पिता और धर्म को तभी छोड़ते हैं। जब उनके पास जीवन जीने का कोई विकल्प ना हो। भगवान जन्मदाता होता है। वह किस कुल किस धर्म में पैदा होगा उसका आधार उसका कर्म फल होता है। विश्व हिंदू परिषद शायद भगवान से भी बड़ी हो गई है जो लोगों को जबरिया हिंदू बनाएगी अथवा शांति के साथ जीने नहीं देगी। सनातन धर्म जियो और जीने दो और कर्मफल पर आधारित है। सभी जीवो के प्रति सनातन धर्म में समभाव रखा गया है। जब आप धर्म के ही मूल मंत्र को बस्ते में बांध कर रख देते हैं। सत्ता का सुख भोगने श्रेष्ठ सा बित करने के लिए लोगों को नियंत्रित करने की बात करने लगते हैं। तब आप भगवान और धर्म को भी नहीं मानते हैं। इसलिए लोगों का आप पर विश्वास भी नहीं होता है। कथनी और करनी के अंतर को अलग करें। प्रेम से जानवर भी पालत बनकर जीवन भर आपके साथ बना रहता है। हिंसक पशु भी अहिंसक व्यवहार करने लगते हैं। हजारों वर्ष से हिन्दू-मुसलमान साथ रह रहे हैं। विश्वास तलवार के बल पर पैदा नहीं किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईफोन 15 की कीमतों में कटौती पर विचार कर रहा एप्पल

सैन फ्रांसिस्को। टेक कंपनी एप्पल आईफोन 15 की कीमतों में कटौती पर विचार कर रही है, जो बेस मॉडल के साथ-साथ प्लस मॉडल पर भी लागू होगा।मैकवर्ल्ड के अनुसार रिपोर्ट्स ने लगातार संकेत दिया है कि बेस मॉडल आईफोन 14 विशेष रूप से आईफोन14 प्लस की कम मांग के साथ, आईफोन 14 प्रो और प्रो मैक्स की मांग अपेक्षा से अधिक है। आईफोन 14 प्लस 899 डॉलर से शुरू होता है। आईफफोन 14 प्रो मैक्स, जिसमें सेम स्क्रीन साइज है, की कीमत सिर्फ 200 डॉलर अधिक है। इसमें कई फीचर्स है, जैसे ए16 चिप, प्रोमोशन डिस्प्ले और डायनेमिक आइलैंड, टेलीफोटो कैमरा और स्टेनलेस-स्टील डिजाइन है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह अधिक संभावना है कि ऐप्पल आईफोन 15 प्लस की कीमत कम हो सकती है। इसके अलावा, स्मॉलर 6.1-इंच मॉडल, जो 799 डॉलर से शुरू होता है, भी प्रभावित होगा, अगर कीमत को घटाकर 849 डॉलर या 799 डॉलर कर दिया जाता है। 699 डॉलर मिनी मॉडल को हटाकर, एप्पल ने प्रभावी रूप से आईफोन 14 की लागत बढ़ा दी, जिससे बिक्री प्रभावित हो सकती है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि एप्पल आईफोन 14 प्लस की कीमत में कटौती पर विचार कर रहा है या नहीं। इस बीच, आईफोन 15 अल्ट्रा के 1,299 डॉलर की शुरुआती कीमत पर लॉन्च होने की संभावना है, जो आईफोन 14 प्रो मैक्स की शुरूआती कीमत 1,099 डॉलर से काफी अधिक है। गिज्मोचाइना की रिपोर्ट के अनुसार उच्च कीमत बढ़ती उत्पादन लागत, लाभ मार्जिन को बनाए रखने की आवश्यकता और चेसिस में टाइटेनियम जैसी उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री को शामिल करने के कारण है।

यूपीसीडा ने हासिल किए एक लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव

लखनऊ। औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने विभिन्न जनपदों में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए एक लाख करोड़ रुपए से अधिक के प्रस्ताव निवेशकों से प्राप्त किए है। इन निवेश प्रस्तावों में से 83 हजार करोड़ रुपए के आशय पत्रों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। इन एमओयू को 10-12 फरवरी 2023 को लखनऊ में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान अंतिम रूप दिया जाएगा, जिससे जल्द ही निवेशक कंपनियों द्वारा परियोजनाओं के क्रियान्वयन का कार्य शुरू किया जाएगा। यूपीसीडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मयूर माहेश्वरी ने बताया कि प्रदेश सरकार उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यस्था बनाने के लिए प्रयासरत है। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यूपीसीडा के वरिष्ठ अधिकारियों की नौ टीमों का गठन कर प्रथम चरण में प्रदेश के 22 जनपदों में निवेशकों एवं उद्यमियों के साथ निवेश बैठकें आयोजित की गईं। निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए गोष्ठियों में निवेशकों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें मुख्य रूप से फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, प्राइवेट इंडस्ट्रियल पार्क, वेयरहाउसिंग, पेपर उद्योग, मेडिकल क्षेत्र, बायोफ्यूल, खिलौना उत्पाद, डेटा सेंटर, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स इत्यादि क्षेत्रों में इकाई स्थापित करने के लिए अपनी रुचि दिखाई है। यूपीसीडा प्राधिकरण के सीईओ मयूर माहेश्वरी ने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 23 से पूर्व प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम गठित कर प्रदेश के अन्य जनपदों में भी निवेश गोष्ठियां आयोजित की जाएंगी। साथ ही सरकार की अन्य निवेश नीतियों का प्रचार-प्रसार कर नीतियों के अंतर्गत निवेश कराते हुए अधिक से अधिक रोजगार सृजित करने हेतु निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। यूपीसीडा ने जो एमओयू किए हैं, उनकी स्थापना के बाद हजारों लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। जो प्रमुख एमओयू हुए हैं, उनमें गाजियाबाद में ग्रूपेकर्स नेटवर्क द्वारा 10,000 करोड़ के निवेश से प्राइवेट पार्क स्थापित करने पर 10000 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसी तरह गौतमबुद्धनगर में मोबिलिटी इन्फ्रास्ट्रक्च र ग्रुप द्वारा 8000 करोड़ के निवेश से लॉजिस्टिक एवं वेयरहाउस पार्क स्थापित करने से 1000 लोगों को नौकरी मिलेगी।

दूरसंचार क्षेत्र 2023 में 5जी के लिए तैयार

1.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश जुटाने की उम्मीद

नई दिल्ली: (एजेंसी)

देश में दूरसंचार कंपनियां आने वाले साल में पहुंच बढ़ाने के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश को आकर्षित करने के लिए तैयार है। दूरसंचार सचिव राजारमन ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि दूरसंचार क्षेत्र में लोगों को 5जी सेवाओं से जोड़ने से लेकर परिचालन की लागत कम करने जैसे सुधारों के साथ पुनरुद्धार देखा जा रहा है। दूरसंचार क्षेत्र ने 2022 में देश के विकास के लिए मॉडल के रूप में काम करने के बाद एक नए अध्याय की शुरुआत की। इस क्षेत्र में अब सुधारों और महत्वपूर्ण निवेश किए जाने की तैयारी है। इसी क्रम में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने दिसंबर 2023 तक देश भर में 5जी नेटवर्क शुरू करने के लिए दो लाख करोड़ रुपए का निवेश करने की बात की है। हालांकि, अडानी समूह ने अभी तक दूरसंचार कारोबार के लिए अपनी पूर्ण योजना का खुलासा नहीं किया है। चार-पांच वर्षों से बहुप्रतीक्षित तकनीक 5जी की पेशकश के चलते यह एक बेहतर वर्ष रहा है। दूरसंचार क्षेत्र को अगले साल 5जी पहुंच मजबूत होने की उम्मीद है, हालांकि यह तो केवल शुरुआत भर है। राजारमन ने बताया, 'हम सभी उपयोग के मामलों पर काम कर रहे हैं। हमने राज्य सरकारों, मंत्रालयों, स्टार्टअप और अविष्कारकों को भारतीय संदर्भ में नवाचार करने के लिए कहा है, जो व्यवसायों को उचित अवसर देगा और कुछ सार्वजनिक समस्याओं, चुनौतियों का भी समाधान करेगा।' उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ऐसे उपाय करना जारी रखेगी जिससे दूरसंचार परिचालकों के लिए परिचालन की लागत घटेगी। ऐसे निर्णय लिए जाएंगे जिससे एक दशक से अधिक समय से कर्ज के बोझ तले दब रहे क्षेत्र के लिए उच्च मार्जिन होगा। रिलायंस जियो ने स्पेक्ट्रम के लिए 87,946.93 करोड़ रुपए का भुगतान किया है, जिसे 20 साल की अवधि में चुकाना था। इसमें 1.12 लाख करोड़ रुपए की शेष राशि बची है।

जुलाई-सितंबर में भारतीयों की विदेशी वित्तीय संपत्ति 43.9 बिलियन डॉलर गिरी: आरबीआई रिपोर्ट

नई दिल्ली। सितंबर 2022 के लिए भारत की अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति (आईआईपी) पर शुक्रवार को जारी आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई-सितंबर 2022 की अवधि के दौरान भारतीय निवासियों की विदेशी वित्तीय संपत्ति में 43.9 बिलियन डॉलर की गिरावट देखी गई। हालांकि भारत में अनिवासियों की वित्तीय संपत्ति में कमी 9.6 बिलियन डॉलर से अपेक्षाकृत कम थी। साथ ही, व्यापार ऋण, मुद्रा और जमा के साथ-साथ विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट के अनुसार, 2022-23 की दूसरी तिमाही के दौरान भारत पर अनिवासियों का शुद्ध दावा सितंबर 2022 में 34.3 बिलियन डॉलर बढ़कर 389.6 बिलियन डॉलर हो गया। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान भारत की विदेशी देनदारियों में गिरावट मुख्य रूप से प्रत्यक्ष निवेश (शुद्ध) ऑउट्फ्लो के कारण थी। इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि अन्य मुद्राओं की तुलना में रुपये की विनिमय दर में बदलाव ने भी देनदारियों में बदलाव को प्रभावित किया, जब डॉलर के संदर्भ में इसका मूल्यांकन किया गया।

गूगल वेज एप अब खतरनाक सड़कों की देगा जानकारी, जोड़ा गया नया फीचर

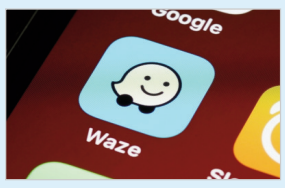

सैन फ्रांसिस्को। गूगल अपने वेज एप (डब्ल्यूएजेडई एपीपी) के लिए एक नया फीचर लेकर आया है। जिससे यूजर्स को ट्रैफिक डेटा के आधार पर आसपास की खतरनाक सड़कों के बारे में सूचना मिल जाएगी। इस फीचर से यूजर्स को वाहन चलाते समय बड़ी परेशानी निजात मिलेगी। द वर्ज ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि नया फीचर यूजर्स को आसपास की उन खतरनाक सड़कों को मैप पर लाल रंग से दिखाएगा। हालांकि, यह उन सड़कों के बारे में नहीं हो सकता है जिन पर यूजर्स अक्सर यात्रा करते हैं। ड्राइवर को एप में आसपास की खतरनाक सड़कों के बारे में केवल एक पॉप-अप मिलेगा, जो सावधानी बरतने के लिए अलर्ट करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि एप के बीटा रिलीज तक पहुंच रखने वाले देशों को एक पॉप-अप मिलेगा, जो उन्हें बताएगा कि ड्राइवर और उनके रोड की रिपोर्ट के जरिये यूजर्स दुर्घटनाओं के इतिहास के लिए अलर्ट देख सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि यह सुविधा अभी भी बीटा में है, इसे जल्द ही आम जनता के लिए उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद है। जून में टेक दिग्गज ने गूगल मैप्स के लिए एक नई सुविधा शुरू की जो अब यूएस में एंड्रॉइड और आईओएस दोनों उपयोगकर्ताओं पर वायु गुणवत्ता परत दिखाएगी। 9टू5गूगल के अनुसार, यह यूजर्स को हवा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी मिलेगी।

गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध,तब भी आठ महीने में 30फीसदी ज्यादा हुआ

नई दिल्ली: (एजेंसी)

इस साल देश में गेहूं के दाम में भारी बढ़ोतरी हुई है। यही वजह है कि इस समय आम आदमी के उपयोग का खुला आटा भी 35 रुपए किलो बिक रहा है। बाजार में गेहूं की बढ़ती कीमतों को देखते हुए इस साल मई में ही इसके निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। तब भी इस साल अप्रैल से नवंबर तक गेहूं के निर्यात में करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह जानकारी केंद्र सरकार के आंकड़ों से मिली है।

डेढ़ अरब डॉलर का हो गया गेहूं निर्यात

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक प्रतिबंध के बावजूद गेहूं का निर्यात पिछले साल से भी ज्यादा रहा है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान यह 29.29 फीसदी बढ़ कर 1.50 अरब डॉलर पर पहुंच गया। पिछले साल इसी अवधि में 1.17 अरब डॉलर के गेहूं का निर्यात हुआ था। उल्लेखनीय है कि घरेलू बाजार में गेहूं की बढ़ती कीमतों को देखते हुए केंद्र सरकार ने मई में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि, अनुरोध करने वाले देशों की खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए गेहूं के थोड़ा-बहुत निर्यात करने की अनुमति है।

किस देश को हुआ सबसे ज्यादा निर्यात

भारत से इस साल सबसे ज्यादा गेहूं का निर्यात बंगलादेश को हुआ है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास परिषद के आंकड़ों के मुताबिक इस साल बंगलादेश को 4082843 मिलियन टन गेहूं का निर्यात किया गया। इससे भारत को 889,398.88 लाख रुपए मिले। बंगलादेश के बाद भारत से सबसे ज्यादा गेहूं का निर्यात श्रीलंका को किया गया। वहां इस साल अभी तक 582917 मिलियन टन गेहूं का निर्यात किया गया। इसके बाद संयुक्त अरब अमिरात का स्थान रहा।

चावल का निर्यात भी 40फीसदी बढ़ा

वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक इस साल के शुरूआती आठ महीने में बासमती चावल का निर्यात भी बढ़ा है।

अप्रैल-नवंबर 2022 के दौरान चावल का निर्यात 39.26 फीसदी बढ़ कर 2.87 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसी अवधि में गैर-बासमती चावल का निर्यात 5 फीसदी बढ़कर 4.2 अरब डॉलर का रहा। चालू वित्त वर्ष के आठ महीनों में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात 16 प्रतिशत बढ़कर 17.43 अरब डॉलर का हो गया।

पोस्ट ऑफिस सेविंग स्कीम में मिलने वाले ब्याज दरों में बढ़ोतरी, पीपीएफ और एसएसवाई में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। (एजेंसी)

वरिष्ठ नागरिकों और आम निवेशकों के लिए अच्छी खबर है, सरकार ने शुक्रवार को पोस्ट ऑफिस सेविंग स्कीम, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी), सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम और किसान विकास पत्र (केवीपी) पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की।वित्त मंत्रालय की एक अधिसूचना के अनुसार, 5 प्रतिशत तक की जमा राशि के साथ-साथ एनएससी, सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम और केवीपी की दरों में 1.1 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। बदली हुई ब्याज दरें 1 जनवरी, 2023 से 31 मार्च, 2023 के बीच लागू होंगी। हालांकि, पीपीएफ और सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) जैसे अधिक लोकप्रिय बचत साधनों के लिए ब्याज दरों को क्रमशः 7.1 प्रतिशत और 7.6 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा गया है, यानी कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह लगातार दूसरी तिमाही है, जब चुनिंदा योजनाओं के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी की गई है। एक अक्टूबर 2022 से पहले लगातार नौ तिमाहियों तक इन योजनाओं की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ था। आम तौर पर छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरें हर तिमाही में संशोधित की जाती हैं। अधिसूचना में कहा गया- नवीनतम संशोधन के साथ, डाकघरों में एक साल की सावधि जमा पर 6.6 प्रतिशत ब्याज मिलेगा, दो साल की जमा राशि पर 6.8 प्रतिशत ब्याज मिलेगा, तीन साल की जमा राशि पर 6.9 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा, जबकि पांच साल के लिए अर्जित ब्याज 7 प्रतिशत होगा।

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम जनवरी-मार्च की अवधि के दौरान 8 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। केवीपी के लिए, सरकार ने ब्याज दरों में 7.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, हालांकि 120 महीने की कम परिपक्वता अवधि पर। वर्तमान में, केवीपी में 123 महीनों की परिपक्वता अवधि पर 7 प्रतिशत की ब्याज दर है। मासिक आय योजना 40 आधार अंक अधिक 7.1 प्रतिशत अर्जित करेगी, जबकि एनएससी ब्याज दर 20 आधार अंक बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दी गई है। बचत जमाओं पर 4 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज मिलता रहेगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस साल मई से पांच बार रेपो दर में वृद्धि की है, इस प्रकार बैंकों को जमा पर ब्याज दर बढ़ाने की अनुमति मिली है।

राजकोषीय घाटा नवंबर में पूरे साल के लक्ष्य के 59फीसदी पर पहुंचा

नई दिल्ली: (एजेंसी)

सरकार का राजकोषीय घाटा नवंबर के अंत में पूरे साल के बजट अनुमान के 59 फीसदी पर पहुंच गया। लेखा महानियंत्रक (सीजीए) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार राजकोषीय घाटा (व्यय और राजस्व के बीच का अंतर) वित्त वर्ष 2022-23 की अप्रैल-नवंबर अवधि के दौरान 9,78,154 करोड़ रुपए था। पिछले साल इसी अवधि में घाटा 2021-22 के बजट अनुमान का 46.2 फीसदी था। सरकार ने 2022-23 के लिए राजकोषीय घाटा 16.61 लाख करोड़ रुपए यानी जीडीपी का 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान रखा है।

एएमजी मीडिया नेटवर्क्स ने एनडीटीवी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 64.71 फीसदी की

अहमदाबाद।

एएमजी मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड (एएमएनएल) ने अपनी अप्रत्यक्ष सहायक कंपनी आरआरपीआर के माध्यम से एनडीटीवी में राधिका रॉय और प्रणय रॉय से 27.26 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली है, जिसके परिणामस्वरूप एएमएनएल द्वारा एनडीटीवी में 64.71 प्रतिशत की नियंत्रित हिस्सेदारी हासिल कर ली गई है। एनडीटीवी में रॉय परिवार की 5 प्रतिशत हिस्सेदारी बनी हुई है, एनडीटीवी के नए अध्याय में स्वागत योग्य उपस्थिति है। अडानी समूह के संस्थापक और अध्यक्ष गौतम अडानी ने कहाः अडानी समूह को एनडीटीवी को विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और प्रतिभा के साथ आगे बढ़ाने और एनडीटीवी को संपन्न बहु-मंच वैश्विक समाचार संगठन में बदलने का सौभाग्य मिला है। एएमजी मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड के सीईओ संजय पुगलिया ने कहा, मैं इस अवसर पर राधिका रॉय और प्रणय रॉय को एक दोस्ताना और निर्बाध बदलाव के लिए धन्यवाद देता हूं। एनडीटीवी न्यूज रूम को बहु-आयामी मल्टी-मीडिया डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में मजबूत और निवेश करने की हमारी पहली योजना है। एनडीटीवी की अधिक क्षेत्रीय सामग्री के माध्यम से डिजिटल पहुंच को बढ़ाने के लिए, नए प्रारूप, दर्शकों के साथ वैयक्तिकरण और अंतर्क्रियात्मकता के लिए मजबूत अनुसंधान उपकरणों द्वारा समर्थित अधिक पत्रकारों, निर्माताओं और संपादकों की आवश्यकता होगी। हम ऐसी खबरें वितरित करेंगे जो वास्तव में भारतीय नागरिकों और भारत में रुचि रखने वालों के जीवन में मूल्य जोड़ती हैं। नियंत्रण में बदलाव के बाद, एनडीटीवी के बोर्ड को पूर्व आईएएस अधिकारी सुनील कुमार और पूर्व सिविल सेवक अमन कुमार सिंह के अलावा संजय पुगलिया और सेंथिल सिन्नैया चेंगलवारायण की नियुक्ति के साथ और मजबूत किया गया है। सभी नए निदेशकों के पास समाचार, साक्षरता और सार्वजनिक नीति, शासन, मीडिया, ब्रांडिंग, संचार, प्रौद्योगिकी और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में विविध अनुभव है और उनकी दक्षताओं, कौशल और अनुभव का समृद्ध सेट एनडीटीवी के लिए अत्यंत मूल्यवान होगा। भारत और एशिया के सबसे भरोसेमंद समाचार प्रसारक के रूप में पहचाने जाने वाले, एनडीटीवी की मजबूत ऑनलाइन उपस्थिति है और विभिन्न प्लेटफार्मों पर 35 मिलियन से अधिक अनुयायियों के साथ सोशल मीडिया पर सबसे अधिक फॉलो किए जाने वाले समाचार हैंडल में से एक है।

बुनियादी उद्योगों का उत्पादन नवंबर महीने में 5.4 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली: (एजेंसी)

कोयला, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से देश के आठ बुनियादी उद्योगों का उत्पादन नवंबर में 5.4 प्रतिशत बढ़ गया जबकि एक साल पहले इसकी वृद्धि 3.2 प्रतिशत रही थी। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार नवंबर महीने में कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पादन में गिरावट आई। इसके पहले अक्टूबर महीने में आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 0.9 प्रतिशत रही थी। आठ बुनियादी उद्योगों कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान आठ प्रतिशत रही है जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 13.9 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार, कोयला उत्पादन में सालाना आधार पर इस साल नवंबर में 12.3 प्रतिशत, उर्वरक में 6.4 प्रतिशत, इस्पात 10.8 प्रतिशत, सीमेंट 28.6 प्रतिशत और बिजली में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कुल औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में बुनियादी उद्योगों का भारांश 40.27 प्रतिशत है। इससे इसका असर औद्योगिक उत्पादन पर भी दिखेगा। सरकार नवंबर महीने का आईआईपी आंकड़ा जनवरी 2023 के दूसरे सप्ताह में जारी कर सकती है। इस बारे में रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि बुनियादी उद्योगों में वृद्धि का असर औद्योगिक उत्पादन सूचकांक पर दिखेगा और इसमें तीन से चार प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

हालांकि इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि बुनियादी उद्योगों का पुनरुद्धार व्यापक नहीं है क्योंकि रिफाइनरी उत्पाद, कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस का प्रदर्शन अभी भी कमजोर बना हुआ है। उसने कहा, ''हालांकि आठ बुनियादी उद्योगों में नवंबर में सालाना आधार पर वृद्धि से औद्योगिक उत्पादन वृद्धि को मदद मिलेगी।

फिडेलिटी ने ट्विटर में घटाई अपनी 56 प्रतिशत हिस्सेदारी

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

टॉप ग्लोबल इंवेस्टमेंट फर्म फिडेलिटी ने एलन मस्क के स्वामित्व के पहले महीने के दौरान ट्विटर में अपनी हिस्सेदारी के मूल्य में 56 प्रतिशत की कमी की है। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार फिडेलिटी के कंट्राफंड ने 31 अक्टूबर को मस्क के 44 अरब डॉलर के अधिग्रहण सौदे को बंद करने के कुछ दिनों बाद अपने ट्विटर शेयरों का मूल्य 53.47 मिलियन डॉलर कर दिया था। इसके बाद 30 नवंबर तक शेयरों का लगभग 23.46 मिलियन डॉलर का पुनर्मूल्यांकन किया गया, जो 56 प्रतिशत की गिरावट का प्रतिनिधित्व करता है। फिडेलिटी निवेशकों में से एक थी, जिसने मस्क को इक्विटी खरीदकर 44 बिलियन डॉलर के माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म के अधिग्रहण में मदद की। रिपोर्ट के अनुसार इन्वेस्टमेंट फर्म के पास एक्स होल्डिंग्स आई इंक नाम से अपने कई म्यूचुअल फंडों में ट्विटर के शेयर हैं। फिलहाल ट्विटर चल रहा है। छंटनी और विज्ञापनदाताओं के प्लेटफॉर्म छोड़ने के बीच बड़े पैमाने पर तैयारी की जा रही है। अमेरिका के लिए मीडिया मैटर्स ने पिछले महीने अनुमान लगाया था कि ट्विटर के टॉप 100 विज्ञापनदाताओं में से आधे, जिन्होंने इस वर्ष संयुक्त रूप से ट्विटर विज्ञापनों पर लगभग 750 मिलियन डॉलर खर्च किए, ऐसा लगता है कि वे अब वेबसाइट पर विज्ञापन नहीं दे रहे हैं। मस्क ने शुक्रवार को कहा कि उनके तहत आने वाले नए ट्विटर का लक्ष्य माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर यूजर्स द्वारा खर्च किए जाने वाले हर मिनट को ऑप्टिमाइज करना होगा।

कंपनी को दिवालिया होने से बचाने के लिए मस्क अब मुनाफा कमाने की कोशिश कर रहे हैं। मस्क ने ब्लू टिक सब्सक्रिप्शन भी शुरू किया है, जिसकी कीमत वेब पर खरीदारी के लिए प्रति माह 8 डॉलर या आईओएस ऐप स्टोर के माध्यम से 11 डॉलर प्रति माह है।

ईपीएफओ ने पात्र अंशधारकों को अधिक पेंशन का विकल्प उपलब्ध कराने को कहा

नई दिल्ली: (एजेंसी)

सेवानिवृत्ति कोष का प्रबंधन करने वाले निकाय ईपीएफओ ने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों से उच्चतम न्यायालय के चार नवंबर, 2022 के उस आदेश को लागू करने को कहा है जिसमें पात्र अंशधारकों को अधिक पेंशन का विकल्प उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के गत 29 दिसंबर को जारी परिपत्र में केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय के निर्देशों को लागू करने का आदेश दिया है। क्षेत्रीय कार्यालयों को %उच्चतम न्यायालय के चार नवंबर, 2022 के फैसले के पैरा 44 (9) में निहित निर्देशों% को निर्धारित समय सीमा के भीतर लागू करने के लिए कहा गया है। साथ ही क्षेत्रीय कार्यालयों को ईपीएफओ द्वारा लिए गए निर्णय का पर्याप्त प्रचार भी करना होगा। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में कर्मचारी पेंशन (संशोधन) योजना 2014 को बरकरार रखा था। ईपीएस संशोधन (अगस्त 2014) ने पेंशन योग्य वेतन सीमा को 6,500 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 15,000 रुपये प्रति माह कर दिया था।

इसके अलावा सदस्यों को उनके नियोक्ताओं के साथ ईपीएस में उनके वास्तविक वेतन (यदि यह सीमा से अधिक हो) पर 8.33 प्रतिशत योगदान करने की अनुमति दी थी। इसमें सभी ईपीएस सदस्यों को संशोधित योजना का विकल्प चुनने के लिए छह महीने का समय दिया गया था। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में पात्र अंशदाताओं को ईपीएस-95 के तहत अधिक पेंशन का विकल्प चुनने के लिए चार महीने का और समय दिया था।

Sports

कार्लसन नें जीता छठा विश्व ब्लिट्ज़ का खिताब ,फिर बने शतरंज के हर फॉर्मेट के विजेता

अल्माटी , कजाकिस्तान (निकलेश जैन) नॉर्वे के ग्रांड मास्टर मेगनस कार्लसन एक बार फिर शतरंज के हर फॉर्मेट क्लासिकल ,रैपिड और ब्लिट्ज़ के विश्व विजेता बन गए है । कार्लसन नें विश्व ब्लिट्ज़ शतरंज का ताज छठी बार जीतकर यह कारनामा 2014 के बाद दोबारा करके एक नया इतिहास बना दिया । शतरंज के सबसे फटाफट फॉर्मेट मे कई युवा प्रतिभाओं से मिलती लगातार टक्कर के बाद भी कार्लसन 21 राउंड में 16 अंक बनाकर विश्व विजेता बनने में कामयाब रहे । कार्लसन नें इससे पहले मॉस्को 2009 ,दुबई 2014,रियाध 2017, सेंट्स पीट्स्बर्ग 2018, मॉस्को 2019 में विश्व ब्लिट्ज़ के खिताब अपने नाम किए थे । 15 अंक बनाकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर यूएसए के हिकारु नाकामुरा ने रजत तो अर्मेनिया के मरतिरोसयान हैक नें कांस्य पदक अपने नाम किया । भारतीय खिलाड़ियों में 13 अंक बनाकर हरीकृष्णा पेंटाला 17वे तो निहाल सरीन 18वे स्थान पर रहे ।

ऋषभ पंत का इन महत्वपूर्ण सीरीजों में खेलना संदिग्ध

बीसीसीआई के सामने खड़ी हुई मुसीबत

नई दिल्ली। (एजेंसी)

साल 2023 में होने वाले महत्वपूर्ण सीरीज में टीम इंडिया में क्रिकेटर ऋषभ पंत का खेलना संदिग्ध हो गया है। श्रीलंका के खिलाफ 2 दिन पहले घोषित हुई टीम इंडिया से ऋषभ पंत पहले ही बाहर थे। बीसीसीआई ने उन्हें फिटनेस समस्याओं के चलते एनसीए में रिपोर्ट करने को कहा था। टीम इंडिया ने श्रीलंका के खिलाफ टी-20 और वनडे सीरीज खेलनी है। इसी बीच पंत कार हादसे का शिकार हो गए। मालूम हो कि विश्व टैस्ट चैम्पियनशिप 2023 के फाइनल के लिए भारत ने फरवरी में ऑस्ट्रेलिया से 4 टैस्ट खेलने हैं। पंत की इस समय टैस्ट फॉर्म अच्छी थी। उनके न खेलने पर टीम इंडिया को झटका लगेगा। आई.पी.एल 2023 के मैच में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान पंत इस साल नहीं खेल पाएंगे। फ्रैंचाइजी उनकी जगह किसे कप्तान बनाएगी जैसे अब सवाल खड़े होंगे। पंत की कप्तानी में दिल्ली ने पिछले 2 सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था। साल 2023 में एशिया कप पाकिस्तान में होना प्रस्तावित है। भारतीय टीम एशिया कप में सर्वाधिक बार खिताब जीतने वाली टीम है। क्योंकि इसी साल विश्व कप है तो ऐसे में एशिया कप वनडे फॉर्मेट में खेला जाना है। इसमें भी पंत का खेलना संदिग्ध दिख रहा है। अक्तूबर में भारत में क्रिकेट विश्व कप होना है। पंत के जख्मी हो जाने के कारण अब विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन के.एल.राहुल और संजू सैमसन को मौका मिलने की उम्मीद बन गई है। बी.सी.सी.आई. सैक्रेटरी जय शाह ने पंत के मेडिकल बुलेटिन में कहा कि ऋषभ के माथे पर 2 कट लगे हैं उनके दाहिने घुटने का

लिगामेंट फट गया है और उनकी दाहिनी कलाई टखने पैर के अंगूठे में भी चोट लगी है और उनकी पीठ पर घर्षण की चोट लगी है। ऋषभ की हालत स्थिर बनी हुई है।

डब्लूटीए टूर

जाबौर को एडिलेड में शीर्ष वरीयता

एडिलेड,(एजेंसी)

विश्व की नंबर दो खिलाड़ी ट्यूनीशिया की ओंस जाबौर को वर्ष के रविवार से शुरू हो रहे नए सत्र में एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता दी गयी है। जाबौर को पहले राउंड में बाई मिली है और ड्रा के अनुसार उनका दूसरे दौर में सोराना कर्स्टी या क्वालीफायर से मुकाबला होगा। टूर्नामेंट में पांच ग्रैंड स्लैम विजेताओं के साथ शीर्ष टॉप 10 में से चार खिलाड़ी मुख्य ड्रा में हैं। डब्लूटीए टूर्नामेंट का मुख्य ड्रा रविवार से शुरू होगा। यदि चीजें योजनानुसार चलीं तो जाबौर का क्वार्टरफाइनल में एलेना रिबाकिना से मुकाबला होगा। दोनों 2022 विम्बलडन फाइनल में भिड़ी थीं। हालांकि रिबाकिना ने जाबौर को हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। लेकिन उन्हें यहां मुश्किल ड्रा मिला है और पहले दौर में उनका सामना पांचवीं सीड डेनियल कोलिंस से होगा। ड्रा के दूसरे क्वार्टर में नंबर तीन सीड डारिया कसात्किना अपने अभियान की शुरूआत क्वालीफायर के खिलाफ मुकाबले से करेंगी। पूर्व विश्व नंबर एक विक्टोरिया अजारेंका भी इस क्वार्टर में हैं।

यदि चीजें योजनानुसार चलीं तो जाबौर का क्वार्टरफाइनल में एलेना रिबाकिना से मुकाबला होगा। दोनों 2022 विम्बलडन फाइनल में भिड़ी थीं। हालांकि रिबाकिना ने जाबौर को हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। लेकिन उन्हें यहां मुश्किल ड्रा मिला है और पहले दौर में उनका सामना पांचवीं सीड डेनियल कोलिंस से होगा।

युनाइटेड कपः हैरियट डार्ट ने ब्रिटेन को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दिलाई

सिडनी। हैरियट डार्ट ने शुक्रवार को यहां यूनाइटेड कप में मैडिसन इंगलिस को 6-4, 6-4 से हराकर ब्रिटेन को आस्ट्रेलिया पर जीत दिलाई। इस जीत से टीम ब्रिटेन ग्रुप डी में शीर्ष पर पहुंच जाएगी और अगले चरण में स्पेन का सामना करने की तैयारी करेगी। कैमरून नॉरी और केटी स्वान द्वारा पहले दिन सीधे सेटों में जीत दर्ज करने के बाद मेजबान राष्ट्र पर 2-0 की बढ़त के साथ ब्रिटेन दूसरे दिन सामने आया। नंबर 98 की रैंक और ब्रिटेन के लिए नंबर 1 की स्थिति में खेलते हुए, डार्ट ने प्रतिष्ठित तीसरा पॉइंट जीतकर 3-0 की अजेय बढ़त बना ली। इस जीत से टीम ब्रिटेन ग्रुप डी में शीर्ष पर पहुंच जाएगी और अगले चरण में स्पेन का सामना करने की तैयारी करेगी।

विश्व ब्लिट्ज़ शतरंज चैंपियनशिपः हम्पी नें फिर बढ़ाया सम्मान, जीता रजत पदक

अल्माटी , कजाकिस्तान (निकलेश जैन) (एजेंसी)

विश्व ब्लिट्ज़ शतरंज चैंपियनशिप में भारत के लिए एक बार फिर ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी नें गौरव का क्षण दिया और रजत पदक जीतकर देश को पुनः विश्व पटल पर गौरन्वित कर दिया । ब्लिट्ज़ शतरंज के पहले दिन के बाद पदक की कोई आस नजर नहीं आ रही थी ,खुद हम्पी के लिए पहला दिन खराब गया था और उनकी शुरुआत लगातार दो हार से हुई थी और 9 राउंड मे वह सिर्फ 5 अंक बना पायी थी । दूसरे दिन कुल 8 मुक़ाबले खेले जाने थे और यहीं से शुरू हुआ हम्पी का तूफान । हम्पी नें दूसरे दिन सात जीत और एक ड्रॉ के साथ असाधारण 7.5 अंक बनाए और 12.5 अंक बनाकर रजत पदक अपने नाम कर लिया । इस दौरान उन्होने सबसे आगे चल रही रूस की गुनिना वालेंटीना , पोलिना शुवालोवा और चीन की विश्व रैपिड चैम्पियन तान ज़्होंगाई को पराजित किया ।

13 अंक बनाकर मेजबान कज़ाकिस्तान की बिबिसारा अस्सौबाएवा नें स्वर्ण पदक अपने नाम किया तो रूस की शुवालोवा को कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा। 10.5 अंक बनाकर भारत की हरिका द्रोणावल्ली 13वे तो पद्मिनी राऊत 17 वे स्थान पर रही ,10 अंक बनाकर तानिया सचदेव 21वे तो सविता श्री 9.5 अंक बनाकर 34वें स्थान पर रही ।

संक्षिप्त समाचार

क्रिस्टियानो रोनाल्डो सउदी अरब के क्लब अल नासर एफसी से 2025 तक के लिए जुड़े

रियाध (सऊदी अरब)। पुर्तगाल के फुटबॉल लीजेंड क्रिस्टियानो रोनाल्डो सउदी अरब के क्लब अल नासर एफसी से 2025 तक के लिए जुड़ गए हैं। सऊदी अरब के क्लब ने शनिवार को घोषणा की कि उसने 37 वर्षीय पुर्तगाली सुपरस्टार को आधिकारिक तौर पर अनुबंधित कर लिया है। क्लब ने इस खबर की पुष्टि की है जो हाल में कतर में समाप्त हुए 2022 विश्व कप में सामने आयी थी। रियाध स्थित क्लब ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा,इतिहास बन गया है। यह अनुबंध न केवल हमारे क्लब को ज्यादा ऊंचाइयां हासिल करने के लिए प्रेरित करेगा बल्कि हमारी लीग, हमारे देश और भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। क्रिस्टियानो आपका नए घर में स्वागत है। मीडिया रिपोर्टरें में कहा गया है कि रोनाल्डो की कीमत पश्चिम एशिया में 20 करोड़ डॉलर से ज्यादा हो सकती है कुछ रिपोर्टरें में दावा किया गया है कि उन्हें प्रति वर्ष साढ़े सात करोड़ डॉलर मिलेंगे, प्लस सभी इन्सेन्टिव्स और विज्ञापन कमाई और बिक्री का कुछ प्रतिशत। शिन्हुआ ने कहा कि पुर्तगाली कप्तान पहली बार अपने करियर में बड़ी यूरोपियन लीग छोड़ेंगे। रोनाल्डो ने इस वर्ष नवम्बर में मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ अपना अनुबंध समाप्त कर लिया था। उनका कतर विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन रहा था जहां वह सिर्फ एक गोल ही कर पाए थे और पुर्तगाल को क्वार्टरफाइनल में मोरक्को से हार का सामना करना पड़ा था। मीडिया रिपोटरें में कहा गया है कि रोनाल्डो की कीमत पश्चिम एशिया में 20 करोड़ डॉलर से ज्यादा हो सकती है कुछ रिपोटरें में दावा किया गया है कि उन्हें प्रति वर्ष साढ़े सात करोड़ डॉलर मिलेंगे, प्लस सभी इन्सेन्टिव्स और विज्ञापन कमाई और बिक्री का कुछ प्रति।

कतर फुटबॉल संघ और कोच सांचेज ने संबंध तोड़ा

दोहा, कतर फुटबॉल संघ और उसके प्रमुख कोच फेलिक्स सांचेज ने आपसी सहमति से अलग-अलग होने का फैसला किया है। शुक्रवार को यह घोषणा की गयी। कतर फुटबॉल संघ ने घोषणा की कि सांचेज के अनुबंध, जो 31 दिसंबर 2022 को समाप्त हो गया, का नवीकरण नहीं किया जाएगा, जिसके बाद दोनों पक्ष आगे बढ़ने के लिए अलग-अलग हो गए। कतर फुटबॉल संघ ने सांचेज को धन्यवाद देते हुए कहा, थैंक यू सांचेज। यह फैसला विश्व कप फुटबॉल के मेजबान कतर के पहले राउंड में बाहर हो जाने के बाद आया है। 47 वर्षीय सांचेज पांच वर्षों तक कतर राष्ट्रीय टीम के प्रभारी रहे। सांचेज के करियर की बड़ी उपलब्धि 2019 में जापान को हराकर एशिया कप जीतना रही। सांचेज ने कहा कि वह अपना नया अध्याय शुरू करने के बारे में देख रहे हैं जबकि कतर फुटबॉल संघ ने कहा कि वह नए कोच के बारे में जल्द ही फैसला करेगा।

आईएसएलः डिफेंडर पीटर हार्टले ने जमशेदपुर एफसी छोड़ा

(एजेंसी)

डिफेंडर और लीग शील्ड विजेता कप्तान पीटर हार्टले ने शुक्रवार को जमशेदपुर एफसी को छोड़ दिया है। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब ने शुक्रवार को यह घोषणा की है। जमशेदपुर एफसी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए यह घोषणा की। क्लब ने ट्विटर पर एक बयान में कहा, जमशेदपुर एफसी और पीटर हार्टले आपसी सहमति से अलग हो गए हैं। क्लब के लिए समर्पित वर्षों के लिए हम उन्हें धन्यवाद देना चाहते हैं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं। रेड माइनर्स के लिए 47 मैच खेलने के बाद हार्टले निकल गए, जिससे उन्हें क्लब में एक अग्रणी व्यक्ति बनने में मदद मिली। वह आईएसएल 2021-22 सीजन में लीग विनर्स शील्ड जीतने के बाद उनके डिफेंडरों में शानदार थे। अपनी डिफेंडरों की क्षमताओं के अलावा, जिसने उन्हें जमशेदपुर एफसी के साथ अपने समय के दौरान 111 टैकल, 54 इंटरसेप्शन, 166 क्लीयरेंस और 49 ब्लॉक बनाते देखा। हार्टले एक शीर्ष लीडर थे, जिन्होंने पिछले सीजन में मुख्य कोच ओवेन कॉयल के नेतृत्व में टीम को प्रेरित किया था। जमशेदपुर एफसी ने चल रहे

आईएसएल 2022-23 में संघर्ष किया है और अपने पहले ग्यारह मैचों में सिर्फ एक जीत दर्ज की है।

अपनी डिफेंडरों की क्षमताओं के अलावा, जिसने उन्हें जमशेदपुर एफसी के साथ अपने समय के दौरान 111 टैकल, 54 इंटरसेप्शन, 166 क्लीयरेंस और 49 ब्लॉक बनाते देखा। हार्टले एक शीर्ष लीडर थे, जिन्होंने पिछले सीजन में मुख्य कोच ओवेन कॉयल के नेतृत्व में टीम को प्रेरित किया था।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में डेविड वार्नर बनाएंगे दबदबाः फर्ग्युसन

(एजेंसी)

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कैलम फर्ग्युसन ने अनुभवी ओपनर डेविड वार्नर का समर्थन करते हुए कहा है कि वह अगले वर्ष फरवरी-मार्च में भारत के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में अपना दबदबा बनाएंगे। फर्ग्युसन की यह टिप्पणी वार्नर के मेलबर्न में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में 255 गेंदों में शानदार दोहरा शतक बनाने के बाद आई है जिसे ऑस्ट्रेलिया ने पारी और 182 रन से जीतकर सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त बना ली है। सिडनी में तीसरा और अंतिम टेस्ट हो जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया का अगला कार्यकाल भारत का चार टेस्टों का दौरा होगा। वार्नर ने मेलबर्न टेस्ट में 8000 रनों का आंकड़ा पार किया था। वह इस दौरे में सबसे अनुभवी खिलाड़ी होंगे जो भारत का इससे पहले तीन बार टेस्ट दौरा कर चुके हैं। लेकिन वह भारत में अब तक कोई शतक नहीं बना पाए हैं और उनका भारतीय जमीन पर 24.25 का मामूली औसत है। फर्ग्युसन ने कहा,मुझे लगता है कि जो फॉर्म उन्होंने यहां दिखाई है उससे उन्हें लम्बे समय तक बल्लेबाजी करने का अहसास हो रहा है। मुझे लगता है कि वह शुरूआती चरण में हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण साबित होंगे। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मर्व ह्यूज ने भी फर्ग्युसन के विचारों से सहमति जताई और कहा कि उन्हें कभी नहीं लगा था कि वार्नर का टेस्ट टीम में स्थान खतरे में है। फर्ग्युसन ने कहा,मुझे लगता है कि जो फॉर्म उन्होंने यहां दिखाई है उससे उन्हें लम्बे समय तक बल्लेबाजी करने का अहसास हो रहा है। मुझे लगता है कि वह शुरूआती चरण में हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण साबित होंगे।

दक्षिण अफ्रीका को झटका, थ्यूनिस डी ब्रूयन पारिवारिक कारणों से स्वदेश लौटे

ऑस्ट्रेलिया के हाथों पहले दो टेस्टों में शर्मनाक हार झेलने के बाद दक्षिण अफ्रीका को तीसरा टेस्ट शुरू होने से पहले एक बड़ा झटका लगा है। उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज थ्यूनिस डी ब्रूयन तीसरे और अंतिम टेस्ट के लिए अनुपलब्ध घोषित हो गए हैं क्योंकि उन्हें पारिवारिक कारणों से स्वदेश लौटना पड़ा है। डी ब्रूयन अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण स्वदेश लौटे हैं जिससे दक्षिण अफ्रीका को चार जनवरी से सिडनी में होने वाले तीसरे और आखिरी टेस्ट के लिए कम से कम एक परिवर्तन करना पड़ेगा। डी ब्रूयन को मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट में रैसी वान डेर डुसेन की जगह प्लेइंग एकादश में लाया गया था लेकिन वह दो पारियों में 12 और 28 रन ही बना पाए। दक्षिण अफ्रीका यह टेस्ट पारी और 182 रन से हार गया। डी ब्रूयन के सिडनी टेस्ट के लिए अनुपलब्ध होने से वान डेर डुसेन को एकादश में लौटने का मौका मिलेगा। दक्षिण अफ्रीका पहले दो टेस्टों में पांच फ्रंटलाइन गेंदबाजों के साथ खेला है लेकिन यह उसकी बल्लेबाजी है जिसने सबसे ज्यादा निराश किया है। डी ब्रूयन को मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट में रैसी वान डेर डुसेन की जगह प्लेइंग एकादश में लाया गया था लेकिन वह दो पारियों में 12 और 28 रन ही बना पाए।

ऋषभ पंत मुस्करा रहे हैं और ठीक हैं : डीडीसीए के डायरेक्टर श्याम शर्मा

नई दिल्ली, (एजेंसी)

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के डायरेक्टर श्याम शर्मा चोटिल ऋषभ पंत को देखने देहरादून के मैक्स हॉस्पिटल पहुंचे। यहां वो ऋषभ पंत के परिजनों से बात करेंगे। श्याम शर्मा ने देहरादून से आईएएनएस से कहा, मैं मोरल सपोर्ट के लिए आया हूं। बीसीसीआई ही उनके स्वास्थ्य को लेकर जानकारी देगी वो परिवार की तरह है। वह अब ठीक है। अब मुस्करा रहा है और उबर रहा है। यह अच्छा है कि वह तेजी से उबर रहा है। वह फिलहाल आईसीयू में है। साथ ही, बीते दिन सुबह जब ऋषभ पंत की कार का एक्सीडेंट हुआ था। उस दौरान ऋषभ पंत को रुड़की के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पंत के दाहिने पैर का एक्सरे भी कराया गया था, जिसमें यह पता चला था कि ऋषभ पंत के पैर में काफी गंभीर चोटें आई हैं। हालांकि, निजी अस्पताल की ओर से किए गए एक्स- रे की रिपोर्ट भी अब वायरल होने लगी है। इसके बाद ऋषभ को देहरादून के मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि कल देर शाम बीसीसीआई ने ऋषभ पंत का मेडिकल बुलेटिन जारी किया था, जिसमें सिर और पैर में लगी चोटों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई थी। श्याम शर्मा ने कहा, पंत के इलाज के भविष्य की योजना बीसीसीआई द्वारा तय की जायेगी। इस बारे में फैसला करने के लिए बीसीसीआई ही अधिकृत है। मैं सद्भावना के तौर पर यहां आया हूं क्योंकि हमारे अध्यक्ष रोहन जेटली ने मुझसे जाने और पंत से मिलने के लिए कहा। ऋषभ पंत हमारे बच्चे की तरह है। मैं यहां उसका मनोबल बढ़ाने आया हूं। उन्होंने कहा कि फिलहाल पंत को दिल्ली ले जाने के लिए एयरलिफ्ट करने की जरूरत नहीं है। बाकी जो कुछ भी करना है उसका फैसला बीसीसीआई करेगा। जो भी सर्वश्रेष्ठ इलाज होगा वह उन्हें दिया जाएगा। श्याम शर्मा ने कहा, पंत के इलाज के भविष्य की योजना बीसीसीआई द्वारा तय की जायेगी। इस बारे में फैसला करने के लिए बीसीसीआई ही अधिकृत है। मैं सद्भावना के तौर पर यहां आया हूं क्योंकि हमारे अध्यक्ष रोहन जेटली ने मुझसे जाने और पंत से मिलने के लिए कहा। ऋषभ पंत हमारे बच्चे की तरह है। मैं यहां उसका मनोबल बढ़ाने आया हूं।

केमरॉन ने ऊंगली की एक्स-रे तस्वीर की साझा

ऊंगली में फ्रैक्चर के साथ खेलते हुए बनाया था अर्धशतक

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी कैमरन ग्रीन की ऊंगली टूट गई है। उन्होंने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऊंगली में फ्रैक्चर के साथ बल्लेबाजी करते हुए नाबाद अर्धशतक बनाया था। खिलाडी ने अपनी फ्रैक्चर वाली ऊंगली की एक्स-रे तस्वीर साझा की है। आलराउंडर खिलाडी ग्रीन ने सोशल मीडिया पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं जिसमें उनकी टूटी ऊंगली के एक्स-रे की तस्वीर भी शामिल थी। 23 वर्षीय ने पोस्ट को कैप्शन दिया एक हफ्ते का रोलरकोस्टर। ग्रीन को एमसीजी में दूसरे दिन एनरिच नार्जे की 145 किमी प्रति घंटे के रफ्तार से आई गेंद हिट हुई थी। अपने दस्ताने से खून बहने के बाद ग्रीन ने मैदान छोड़ दिया था। उम्मीद थी कि वह आगे नहीं खेल पाएंगे लेकिन वह दोबारा बल्लेबाजी के लिए लौटे और टूटी हुई ऊंगली के साथ नाबाद अर्धशतक बनाया। हालांकि वह दूसरी पारी में गेंदबाजी करने लौटे नहीं। संभावना है कि ग्रीन जल्द टूटी ऊंगली का इलाज करवाएंगे जिसके चलते वह भारत के खिलाफ होने वाली चार टेस्ट मैचों की सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। बता दें कि आईपीएल चौथे महीने में होना है। अगर तीन महीने के अंदर ग्रीन फिट न हुए तो मुंबई इंडियंस के लिए बड़ी मुसीबत हो सकती है।कैमरून ग्रीन को आईपीएल 2023 के लिए मुंबई इंडियंस ने मिनी ऑक्शन में खरीदा था। मुंबई ने ग्रीन पर 17.50 करोड़ रुपए खर्च किए थे।

नव वर्ष 2023

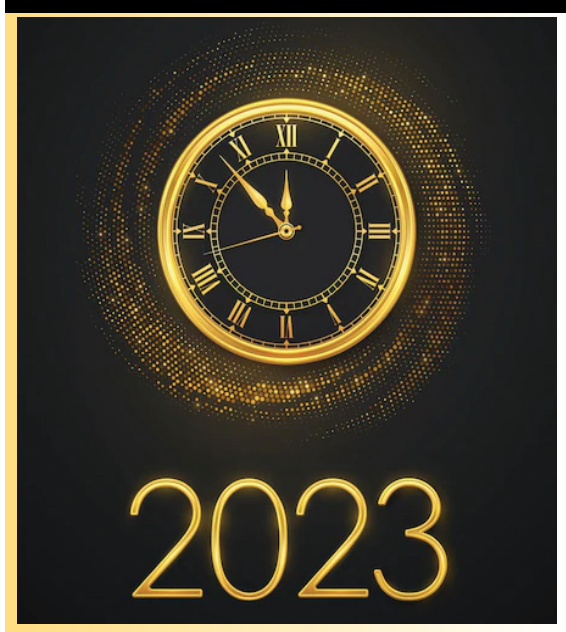

विश्वभर में नया साल मनाने का तरीका भी अलग-अलग है. सभी धर्मों में नया साल एक उत्सव की तरह अलग-अलग अंदाज में अलग-अलग परंपराओं के साथ मनाया जाता है. दुनिया में सबसे अधिक देशों में ईसाई नव वर्ष मनाए जाने की परंपरा है. ईसाई वर्ष 1 जनवरी से शुरू होकर 31 दिसंबर तक 12 महीनों में बंटा हुआ है. खास बात यह है कि भले ही दुनिया के सभी धर्मों के रीति-रिवाज अलग-अलग हों लेकिन 1 जनवरी को सभी देशों में नए साल की धूम रहती है. विश्व में वर्ष के अंतिम कुछ क्षणों में आतिशबाज़ी करते हुए पुराने साल को विदा और नव वर्ष का स्वागत किया जाता है.

क्या है न्यू ईयर की कहानी?

हजारों साल पहले प्राचीन बेबीलोन में न्यू ईयर की शुरुआत हुई थी. परंतु उस समय नव वर्ष का यह उत्सव 21 मार्च को मनाया जाता था जो कि वसंत के आगमन की तिथि थी. जो हिन्दुओं का नववर्ष है. ग्यारह दिनों तक चलने वाले पर्व के रूप में यह वसंत ऋतु के पहले दिन से शुरू होता था. इसीलिए सितंबर सातवां, अक्टूबर आठवां, नवंबर नौवां और दिसंबर दसवां महीना माना जाता था. जैसा कि इनके नामों से स्पष्ट होता है. यह गणना रोमन कैलेंडर के अनुसार किया जाता था जो सातवीं शताब्दी बीसी से शुरू हुआ और यह चन्द्रमा के चक्र के मुताबिक था. रोमन कैलेंडर अटकलबाजी के बलबूते बनाया गया था. जो 1 मार्च से शुरू होता था. तब एक साल में 304 दिन और कुल 10 महीने हुआ करते थे. मार्च से लेकर दिसम्बर तक, इन महीनों के नाम इस तरह थे मर्सिअस, एप्रिलिस, मैयास, जूनियस, कुइन्तिलिस, सेक्सटिलिस, सेप्टेम्बर, ओक्टोबर, नोवेम्बर, और डिसेम्बर.लेकिन सन 1570 के आसपास पोप ग्रेगरी XIII ने क्रिस्टोफर क्लेवियस को एक नया कैलेंडर बनाने का जिम्मा सौंपा. इस तरह सन 1582 में ग्रेगोरियन कैलेंडर अस्तित्व में आया. तब से पूरी दुनिया में नए साल का उत्सव बदस्तूर 1 जनवरी को मनाया जाता है.

न्यू ईयर पर अमेरिका की बॉल ड्रॉपिंग परंपरा

वैसे तो विश्व में वर्ष के अंतिम कुछ क्षणों में आतिशबाजी करते हुए पुराने साल को विदा और नव वर्ष का स्वागत किया जाता है परंतु अमेरिका में यह उत्सव अलग तरीके से मनाया जाता है। यहाँ का 'बॉल ड्रॉपिंग' दुनिया का सबसे मशहूर बॉल ड्रॉपिंग कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम न्यूयॉर्क शहर के टाइस स्वायर पर न्यू इयर्स ईव की मध्यरात्रि को होता है। इससे पहले डाउनटाउन मैनहट्टन के ट्रिनिटी चर्च के घंटे को सुनने के लिए आधी रात में लोग जमा होते थे। द न्यूयॉर्क टाइस ने सन 1904 में जन मानस को आकर्षित करने के लिए न्यूयॉर्क टाइस की ईमारत पर जोरदार आतिशबाजी की। इससे लोग आकर्षित तो हुए लेकिन पटाखों के कारण सड़कों पर गरम राख और पटाखों के टुकड़ों की बरसात हुई जो कि हानिकारक होने के साथ कचरा जमा होने का भी कारण बना इन्हीं वजहों से न्यूयॉर्क पुलिस ने वहां आतिशबाजी करने के कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगा दिया। तब न्यूयॉर्क टाइस के मालिक एडोल्फ ऑस ने अपने चीफ इलेट्रिशियन वॉल्टर पाल्मर को नया रास्ता निकालने के लिए कहा। पाल्मर के डिजाइन के आधार पर ऑस ने आर्टक्राट स्ट्रॉस साइन कंपनी को लगभग 318 किलो की लोहे व लकड़ी से निर्मित और 25 वाट के 100 बल्बों से जड़ित बॉल बनाने की जिमेदारी दी। इस बॉल को पहली बार इलेट्रिसिटी का उपयोग कर सन 1908 के बॉल ड्रॉपिंग में प्रयोग किया गया।

भारतीय नव वर्ष

ग्रेगोरियन कलैंडर का अनुसरण वैसे तो पूरी दुनिया में हो रहा है लेकिन विभिन्न देशों में वहां की संस्कृति के अनुसार भी नया साल मनाने की परंपरा है। भारत में तो विभिन्न धर्म व संप्रदाय एक साथ रहते हैं। इन धर्मों व संप्रदायों के कैलेंडर भी अलग-अलग हैं अत: इनके नव वर्ष की तिथियां भी अलग-अलग होती हैं। हिंदू नववर्ष की बात करें तो यह चैत्र माह की शुल प्रतिपदा तिथि से आरंभ होता है जो कि अंग्रेजी कैलेंडर वर्ष के अनुसार मार्च-अप्रैल माह में पड़ता है।

नववर्ष को जिन्दगी का सबसे बड़ा वर्ष कैसे बनाये ?

लीजिये, हंसता और मुस्कुराता, खिलखिलाकर नव उल्लास बिखराता, निराशा को भगाता और आशा को बटोरता नया वर्ष फिर से आ गया। चारों ओर देखिये, पेड़ नये पत्तों और कलियों के आगमन से कैसे झूम रहे हैं। पेड़-पौधे मुक्तहस्त होकर सुगंध बांट रहे हैं। भला कौन वह मूर्ख होगा, जो परिवार में आ रहे नये सदस्यों को देख खुश न हो। पशु हो या पक्षी, मानव हो या वनस्पति; सब पुराने के जाने पर दुखी होते हैं; पर वह दुख नवआगत के स्वागत के कारण धूमिल भी हो जाता है। यही सृष्टि का नियम है, इसलिए आज सब खुश है। आखिर क्यों न हों, नया साल जो आया है।

दोस्तों, हर देश व संस्कृति में अलग अलग तारीख में नया वर्ष मनाये जाने की परम्परा पहले से ही चली आ रही है. लोग अलग अलग तरीके से इस आयोजन को मानते है, जैसे कोई दारू पीता है तो कोई पार्टी करता है, कही लोगो व्यर्थ में बैठे रहते है तो कोई मजे के नाम पर समय व पैसो की बर्बादी करता है. लेकिन कुछ लोग खुद में सुधार के लिए अच्छा काम भी करते है लेकिन समय बीतने के साथ ही वह अपने संकल्पों को जान-बूझकर तोड़ देते है और पुराने ढर्रे पर ही वापस आ जाते है. एक साल में ही 'ढाक के तीन पात' वाली स्थिति नज़र आने लगती है। वैसे भी किसी नयी शुरुआत के लिए नये साल या किसी मुहूर्त की प्रतीक्षा ही क्यों करना ? इस बार हम नये साल क्या हर साल व हर क्षण को सार्थक करने के कुछ सरल तरीके बता रहे हैं जिसमे आपको अपने अंदर कुछ ज्यादा बदलाव करने की जरूरत नहीं है बल्कि आपको इन्हें तुरंत ही तन-मन-धन से भी अधिक ध्यान से अपनाने की जरूरत होगी.

अपनी कमाई और खर्चो का लेखा-जोखा रखें -

दोस्तों, इस नव वर्ष में आपको सबसे पहले अपने खर्चे व होने वाली कमाई का एक लेखा जोखा जरुर रखना चाहिए. एक ऐसा लेखा जोखा बनायें जिसमें हर दिन के हिसाब से अपने प्रत्येक छोटे-से-छोटे खर्चे का भी उल्लेख करें किन्तु ध्यान रखें कि किसी को बुरा न लगे या किसी पर किया गया खर्चा 'अहसान जताने' जैसा न हो. हो सके तो ऐसा लगे भी ना ! आप अपना लेखा जोखा शुरू करोगे तो आपको अपने व्यर्थ खर्चो को ष्टश्व्वह्लह्मश्च कर सकोगे साथ ही साथ इससे आपको विलासादि जैसे व्यर्थ खर्चे न्यूनतम करते हुए शून्य करने व अच्छे काम में किये गये खर्चो को बढ़ाने में सहायता होगी।

ब्रह्ममुहूर्त में उठने की आदत बनायें -

दोस्तों, हमारे लिए सुबह उठना काफी फायदेमंद होता है और इससे हमारी बॉडी तरोताजा रहती है. सुबह जल्दी उठने से हमारे पास एक्स्ट्रा टाइम भी होता है. इसलिए सुबह सूर्य की पहली किरण पहुँचने से पहले उठकर स्नान करने की आदत एक बार बना ली तो यह बात गाँठ बाँध लीजिए कि आप अपनी पुराणी स्थिति की अपेक्षा अधिक सहज रहेंगे. आपका समय-प्रबन्धन अब कुछ ठीक प्रकार से हो जायेगा व आप दिन-रात ताम-झाम में डूबी रहने वाली व टाइम नहीं है जैसी समस्याओं से दूर हो जाओगे. अब आपके पास समय ही समय होगा और अपने दिन भर के काम आप एक ही दिन में पूरे करने लगोगे.

अपनी डायरी मैण्टैन करें -

टी.वी. के सामने व्यर्थ बैठे रहने, शराब, धूम्रपान करने में जो आपने अपना नुकसान किया उसकी सारी विवरण, कार्य व समय इत्यादि के अनुसार प्रतिदिन इस प्रकार लिखें कि जिस दिन आप उस निरर्थकता से बचे तो आपको आनन्द आयेगा व संतोष का अनुभव होगा तथा गम्भीरता से पालन किया तो किसी दिन ऐसी स्थिति भी आ जायेगी कि आपको यह सब लिखने की जरूरत भी अनुभव नहीं होगी या आप पूरी तरह से सुधर चुके होंगे। जब भी कोई उल्लंघन करें तो अपने आप को कुछ सज़ा दें, जैसे कि अगले दिन चाय-काफ़ी बिल्कुल न पीयें, कल साईकल ही चलायें, कल 10-10 मिनटस तक कम से कम तीन बार रस्सी कूदें इत्यादि। ग़लती को दोहराने पर सज़ा की मात्रा व तीव्रता बढ़ा दें ताकि स्वयं को संदेश जाये कि अबकी बार अधिक सावधानी बरतनी है, या दण्ड झेलना और कठिन हो जायेगा।

मिट्टी के दो कटोरे में डेली पानी भरे -

हाट जाकर देसी मिट्टी से बने दो सकोरे लायें जिन्हें प्रतिदिन धो-धोकर एक सकोरे में पेयजल भरें व दुसरे में मिश्रित देसी साबुत अनाज को मिक्स करके रखे, स्थानीय किराना दुकान या अनाज-व्यवसायी से बोलें. समस्त देसी व साबुत अनाजों का एक मिश्रण तैयार कर दें। शहर हो या गाँव हर स्थिति-परिस्थिति में पक्षियों व गिलहरियों को स्वच्छ पेयजल व पौष्टिक व स्वादिष्ट शुद्ध भोजन की कमी की सतत पूर्ति का यह सबसे सरल उपाय है एवं हम सबके 'मनुष्य' होने को परिभाषित करता ईश्वरीय उत्तरदायित्व भी।

कील-तार-सीमेण्ट-क्रांक्रीट से करें मुक्त -

आपने देखा होगा की कई बार कई पेड़ - पौधे तार व अन्य चीजो से दब जाते है या उनके ऊपर किसी सामान का बोझ लदा रहता है जिस कारण वह पौधे या तो टूट जाते है या उनका विकास नहीं हो पाता. इसलिए हर दिन लेखा-जोखा रखें कि आज आसपास या आपके घर से दूर कितने पेड़ों से आपने कीलें निकालीं, उनसे तार हटाये, उनका दम घोंट रही क्रांक्रीट अथवा सीमेण्ट को दूर किया. इसके लिये अपने पास प्लायर, कैंची, लौहे की छोटी-सी राड, खुरपी इत्यादि का एक पैकेट रखें जो अन्य कई कार्य भी आयेगा।

जीव जन्तुओ की सेवा की साप्ताहिक रिपोर्ट कार्ड -

अपनी आँखों को खुला रखकर घर से बाहर निकलें, जहाँ भी कोई पशु-पक्षी घायल, भूखा-प्यासा या अन्य किसी भी प्रकार से रोगी व ज़रूरतमंद लगे तुरंत रुककर उसे सहायता पहुँचायें, आवश्यकता पड़ने पर खुद ट्राली या ऑटो की व्यवस्था करवाकर उसे चिकित्सालय पहुँचायें. उसकी निगरानी करें व जरूरत पड़ने पर डाक्टर इत्यादि को बुलवाने का भी ख्याल रखें। वैसे भी ये कार्य करने में उतने कठिन नहीं होंगे परन्तु यदि पैसो से जुड़ी जैसी कोई समस्या या अन्य कोई बात आड़े आये तो भी परिचितों व अपरिचितों से सहायता माँगने में संकोच न करें।

बीज व वृक्षारोपण करे -

अपने साथ यहाँ-वहाँ से इकट्ठे किये गये बीज (जैसे सीताफल, बकायन, आम, चीकू, जामुन, शीशम) रखें जिन्हें आप आते-जाते मार्ग में जहाँ-जहाँ या नम व कुछ सुरक्षित-सी लगने वाले भूमि में एक छोटी-सी लकड़ी से खोदकर गड़ाते चलें जिनमें से यदि 5 प्रतिशत भी पेड़ बने तो आपका समूचा प्रयास सफल ही कहा जायेगा. स्थानीय नर्सरी से कुछ ऐसे पेड़ खरीदे जो लोगों को बहुत भायेंगे, जैसे कि तेजपत्ता, दालचीनी, मीठी नीम, कपूर, गुग्गल, अमरूद, अनार, बेलपत्र, नारियल आदि, जहाँ-तहाँ पूछताछ जारी रखें व यदि कोई भूस्वामी, मकान-मालिक, मंदिर-पुजारी या दुकानदार अपने इलाके या अधिकार क्षेत्र में वह प्रजाति लगवाना चाहे तो वहाँ स्वयं अपने हाथों से लगाकर आयें व उसकी सुरक्षा व नियमित पानी देने का निवेदन भी करके आयें. आपके द्वारा की गयी यह पहल आपके पुण्य तो बढ़ायेगी ही, साथ में हरियाली बढ़ाने के साथ सौहार्द्र बढ़ाने में भी प्रमुख भूमिका निभायेगी. यदि वृक्ष सुरक्षा-कवच बनाना हो तो तीन-चार मजबूत डण्डे, बाँस, पुरानी पड़ी राड्स गड़ाकर.. ठौंककर या गड्ढे खोदकर व रस्सियाँ या बेर-बबूल के काँटों से आप बड़ी आसानी से यह भी कर सकते हैं।

बिना स्वार्थ के कर्म करे -

स्वार्थ या अपने कुल-कुटुम्ब के लिये तो कुत्ता भी बहुत कुछ कर ही लेता है परन्तु नि:स्वार्थ भाव से या परायों के लिये, पेड़-पौधों व पशु-पक्षियों, अनाथों-बूढ़ों, अपरिचितों इत्यादि के लिये कुछ किया हो तो भगवान् को लगे कि आपको मानव जन्म प्रदान करना सार्थक हो रहा है. इस बात को समझने के लिए आप हमारा जीवन की सार्थकता के 41 मार्ग यह आर्टिकल जरुर पढ़ा जा सकता है। उपरोक्त सम्पूर्ण डाटाबेस हर दिन के आधार पर तैयार करना है, यह नहीं कि भूल गये या बाद में लिखेंगे। नया साल चाहे जब आये, आप तो अभी से आरम्भ करें, शुभस्य शीघ्रम् ! श्रीगणेश करें...

अंग्रेजी नववर्ष का भारतीयकरण

अंग्रेजी या ईसाई नववर्ष दुनियां के उन देशों में मनाया जाता है जिन पर कभी अंग्रेजों ने राज किया था। हर देश अपने इतिहास और मान्यताओं के अनुसार नव वर्ष मनाता है। भारत में प्राय: सभी संवत्सर चैत्रा शुल प्रतिपदा से प्रारम्भ होते हैं पर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमरीका और ब्रिटेन का वर्चस्व दुनियां में बढ़ गया। इन दोनों के ईसाई देश होने से कई अन्य देशों में भी ईसाई वेशभूषा, खानपान, भाषा और परपराओं की नकल होने लगी। भारत भी इसका अपवाद नहीं है।

एक बार फिर एक जनवरी आएगी। हर बार की तरह समाचार माध्यमों ने वातावरण बनाना प्रारभ कर दिया है। 31 दिसबर की रात और एक जनवरी को दिन भर शोर-शराबा होगा। लोगों ने एक दूसरे को बधाई लेंगे और देंगे। सरल मोबाइल संदेशों (एसएमएस) के आदान-प्रदान से मोबाइल कंपनियों की चांदी कटेंगे। रात में बारह बजे लोग शोर मचाएंगे। शराब, शवाब और कवाब के दौर चलेंगे। इसके अतिरित और भी न जाने लोग कैसी-कैसी मूर्खताएं करेंगे जरा सोचिये, नये दिन और वर्ष का प्रारभ रात के अंधेरे में हो, इससे बड़ी मूर्खता और क्या हो सकती है।

यह बात आज तक समझ में नहीं आई कि यदि ईसा मसीह का जन्म 25 दिसबर को हुआ था तो जिस वर्ष और ईसवी को उनके जन्म से जोड़ा जाता है, उसे एक सप्ताह बाद एक जनवरी से क्यों मनाया जाता है । वस्तुत: ईसा का जन्म 25 दिसबर को नहीं हुआ था। चौथी शती में पोप लाइबेरियस ने इसकी तिथि 25 दिसबर घोषित कर दी, तब से इसे मनाया जाने लगा। तथ्य तो यह भी है कि ईसा मसीह के जीवन के साथ जो प्रसंग जुड़े हैं, वे बहुत पहले से ही योरोप के अनेक देशों में प्रचलित थे। उन्हें ही ईसा के साथ जोड़कर एक कहानी गढ़ दी गयी। इससे इस संदेह की पुष्टि होती है कि ईसा नामक कोई व्यति हुआ ही नहीं वरना यह कैसे संभव है कि जिस तथाकथित ईश्वर के बेटे के दुनियां में अरबों लोग अनुयायी हैं, उसकी ठीक जन्म-तिथि ही पता न हो। जैसे भारत में 'जय संतोषी मां' नामक फिल्म ने कई वर्ष के लिए एक नयी देवी को ह्रश्चातिष्ठित कर दिया था। कुछ ऐसी ही कहानी ईसा मसीह की भी है

इसके दूसरी ओर भारत में देखें तो लाखों साल पूर्व हुए श्रीराम और 5,000 से भी अधिक वर्ष पूर्व हुए श्रीकृष्ण ही नहीं तो अन्य सब अवतारों, देवी-देवताओं और महामानवों के जन्म की प्रामाणिक तिथियां सब जानते हैं और उन्हें हर वर्ष धूमधाम से मनाते भी हैं। लेकिन फिर भी नव वर्ष के रूप में एक जनवरी प्रतिष्ठित हो गयी है, लोग इसे मनाते भी हैं, इसलिए मेरा विचार है कि हमें इस अंग्रेजी पर्व का भारतीयकरण कर देना चाहिए। इसके लिए भविष्य में निन कुछ प्रयोग किये जा सकते हैं। एक जनवरी को अपने गांव या मोहल्ले में भगवती जागरण करें। अपने घर, मोहल्ले या मंदिर में श्रीरामचरितमानस का अखंड पारायण प्रारभ करें। एक जनवरी को प्रात: सामूहिक यज्ञ का आयोजन हो।

एक जनवरी को भजन गाते हुए प्रभातफेरी निकालें। सिख, जैन, बौद्ध आदि मत और पंथों की मान्यता के अनुसार कोई धार्मिक कार्यक्रम करें। एक जनवरी को प्रात: बस और रेलवे स्टेशन पर जाकर लोगों के माथे पर तिलक लगाएं। एक जनवरी को निर्धनों को भोजन कराएं। बच्चों के साथ कुष्ठ आश्रम, गोशाला या मंदिर में जाकर दान-पुण्य करें। ये कुछ सुझाव हैं। यदि इस दिशा में सोचना प्रारभ करेंगे तो कुछ अन्य प्रयोग और कार्यक्रम भी ध्यान में आएंगे। हिन्दू पर्व मानव के मन में सात्विकता जगाते हैं चाहे वे रात में हों या दिन में जबकि अंग्रेजी पर्व नशे और विदेशी संगीत में डुबोकर चरित्राहीनता और अपराध की दिशा में ढकेलते हैं। इसलिए जिन मानसिक गुलामों को इस अंग्रेजी और ईसाई नववर्ष को मनाने की मजबूरी हो, वे इसका भारतीयकरण कर मनाएं।

चीन में कोरोना विस्फोट से हाहाकार के बीच डब्ल्यूएचओ भी चिंतित, आंकड़े जारी करने के निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। योषिता सिंह संयुक्त राष्ट्र/जिनेवा। चीन की ओर से 'शून्य-कोविड' नीति में ढील दिए जाने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या में हुई भारी वृद्धि के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने एक बार फिर बीजिंग से नियमित तौर पर संक्रमण संबंधी वस्तविक आंकड़ा साझा करने का आग्रह किया है। वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसी ने चीन के स्वास्थ्य अधिकारियों से कहा है कि वे जीनोम अनुक्रमण के अलावा कोविड-19 के चलते अस्पताल में भर्ती होने वालों, जान गंवाने वालों और टीका लगवाने वालों से जुड़ा डेटा साझा करें।

डब्ल्यूएचओ की ओर से शुक्रवार को जारी बयान में कहा गया है कि संक्रमितों की संख्या में भारी वृद्धि के मद्देनजर कोविड-19 की स्थिति पर और जानकारी प्राप्त करने तथा डब्ल्यूएचओ की विशेषज्ञ एवं अन्य सहायता की पेशकश करने के लिए चीन और विश्व स्वास्थ्य संगठन के अधिकारियों के बीच एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। बयान के मुताबिक, ''डब्ल्यूएचओ ने एक बार फिर से महामारी की स्थिति पर विशिष्ट और वास्तविक समय के आंकड़ों को नियमित रूप से साझा करने के लिए (चीन से) कहा है। इसमें जीनोम अनुक्रमण का अतिरिक्त डेटा और संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने वालों, आईसीयू में इलाज हासिल करने वालों, वायरस से दम तोड़ने वालों और टीके लगवाने वालों से संबंधित आंकड़े शामिल हैं।''

बयान में कहा गया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अधिक संवेदनशील लोगों को गंभीर संक्रमण और मौत से बचाने के लिए टीकाकरण और एहतियाती खुराक लगवाने के महत्व को दोहराया है। इसमें कहा गया है कि बैठक में चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के उच्च अधिकारियों ने महामारी, इसके स्वरूप की निगरानी, टीकाकरण, क्लिनिकल देखभाल, संचार और अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्रों में चीन की रणनीति और उसके कार्यों के बारे में डब्ल्यूएचओ को जानकारी दी। बयान के अनुसार, ''चीनी वैज्ञानिकों को डब्ल्यूएचओ के नेतृत्व वाले कोविड-19 विशेषज्ञ नेटवर्क में नजदीक से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया गया है, जिसमें कोविड-19 नैदानिक प्रबंधन नेटवर्क भी शामिल है।

हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होकर मेक्सिको की खाड़ी में गिरा, लापता लोगों की तलाश निलंबित

वाशिंगटन। अमेरिका में मैक्सिको की खाड़ी में दुर्घटनाग्रस्त हुए एक हेलीकॉप्टर में सवार चार लोगों को तलाशने का काम अमेरिकी तटरक्षकों ने निलंबित कर दी। न्यू ओरलियांस में तटरक्षक के आठवें जिला मुख्यालय के प्रवक्ता पेटी ऑफिसर जोस हर्नांडेज ने बताया कि तलाशी दल तबतक तलाशी का काम फिर से शुरू नहीं करेगा जबतक उसे कोई नयी सूचना हाथ नहीं लग जाती। तलाश एवं बचाव मिशन के समन्वयक (तटरक्षक) लेफ्टिनेंट कोमोडोर केविन कीफे ने कहा, ''तलाश निलंबित करना हमेशा एक मुश्किल निर्णय होता है।'' न्यू ओरलियांस के दक्षिणपूर्व हिस्से में मिसीसिपी नदी के मुहाने पर साउदवेस्ट चैनल (जलधारा) से करीब 10 किलोमीटर दूर एक ऑयल प्लेटफॉर्म (तेल उत्खनन मंच) से इस हेलीकॉप्टर ने स्थानीय समयानुसार सुबह करीब आठ बजकर 40 मिनट पर उड़ान भरी थी, जिसके बाद वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उसमें पायलट और तीन तेल श्रमिक थे। आमतौर पर हेलीकॉप्टर इस जगह और खाड़ी के बीच श्रमिकों को लाने–ले जाने का काम करते हैं। हर्नांडेज ने कहा कि इस दुर्घटना के लिए मौसम जिम्मेदार जान नहीं पड़ता है, क्योंकि बृहस्पतिवार को इस क्षेत्र में तूफान की कोई खबर नहीं थी। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने कहा कि वह इस हादसे की जांच कर रहा है। तटरक्षक दल के सदस्यों ने नौका और हेलीकॉप्टर की मदद से लापता लोगों की 180 वर्गमील क्षेत्र में आठ घंटे तक तलाश की, हालांकि कोई सुराग नहीं मिल सका है।

ब्रिटेन ने चीन से आने वालों के लिए सख्त किए नियम, छ१1द्वस्त्र 19 संक्रमित न होने की रिपोर्ट करनी होगी पेश

लंदन। ब्रिटेन ने चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेज वृद्धि के बीच वहां से आने वाले यात्रियों पर पाबंदियां लगा दी हैं। पांच जनवरी 2023 से चीन से ब्रिटेन आने वाले यात्रियों को यात्रा से पहले कोविड–19 की नेगेटिव जांच रिपोर्ट दिखानी होगी, जो प्रस्थान के समय से दो दिन से ज्यादा पुरानी नहीं होनी चाहिए। चीन से स्कॉटलैंड, वेल्स या उत्तरी आयरलैंड के लिए कोई सीधी उड़ान नहीं है, लेकिन फिर भी सरकार ने कहा है कि वह जल्द से जल्द पूरे यूनाइटेड किंगडम (यूके) में इन पाबंदियों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए इन क्षेत्रों के साथ काम कर रही है। ब्रिटेन की स्वास्थ्य मंत्री स्टीव बार्कले ने कहा कि चीन में कोविड–19 के मामले बढ़ रहे हैं। ऐसे में हमारे लिए जरूरी है कि हम इन अस्थायी उपायों की घोषणा करते हुए एक संतुलित व एहतियाती दृष्टिकोण अपनाएं।' उन्होंने शुक्रवार को कहा कि हमारे वैज्ञानिक चीन में फैल रहे संभावित नए स्वरूपों का तेजी से अध्ययन करेंगे। हालांकि, कोरोना वायरस से बचाव का सबसे कारगर उपाय टीकाकरण ही है।' ब्रिटिश सरकार ने स्पष्ट किया है कि विमानन कंपनियों को चीन से आने वाले सभी यात्रियों की प्रस्थान पूर्व नेगेटिव जांच रिपोर्ट देखनी होगी। उसने कहा है कि संक्रमित न होने का प्रमाण दिए बिना यात्रियों को विमान में सवार होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

दुनिया में सबसे पहले न्यूजीलैंड ने किया नए साल 2023 का स्वागत, ऑकलैंड के स्काई टॉवर से की गई आतिशबाजी

इंटरनेशनल डेस्क : दुनिया में नए साल 2023 का सबसे पहले आगाज न्यूजीलैंड के ऑकलैंड शहर में हुआ। न्यूजीलैंड नए साल को सेलिब्रेट करने वाला दुनिया का पहला प्रमुख शहर है। इस दौरान ऑकलैंड के सबसे फेमस स्काई टॉवर को लाइटो से सजाया गया। ऑकलैंड नए साल की पूर्व संध्या समारोह के दौरान स्काईटॉवर से आतिशबाजी भी कि गई। न्यूजीलैंड का ऑकलैंड दुनिया के सबसे पूर्वी भाग में स्थित एक प्रमुख शहर है। दरअसल, नया दिन दुनिया के पूर्वी हिस्से से शुरू होता है. इसलिए दिन की शुरुआत यहां पर पहले होती है। यहां पिछले साल 2022 में भी कोरोना के समय नए साल के जश्न को मनाया था। 31 दिसंबर को भारतीय समयानुसार शाम साढ़े तीन बजे सामोआ, टोंगा व किरिबाती से नए साल का जश्न शुरू होता है। इसके बाद 3 : 45 मिनट पर न्यूजीलैंड नया साल मनाया जाता है। शाम साढ़े चार बजे न्यूजीलैंड के कुछ अन्य हिस्सों में सेलिब्रेशन होता है। इसके बाद 5ः30 बजे रूस के एक छोटे क्षेत्र के अलावा सात अन्य लोकेशन पर नए साल का स्वागत होता है। दरअसल न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में मौजूद स्काई टॉवर शहर के सबसे प्रतिष्ठित इमारतों में से एक है। हजारों कि संख्या में लोग नए साल के सेलिब्रेशन को देखने के लिए स्काईटॉवर के आस–पास मौजूद रहे। नए साल 2023 को लेकर टावर को ब्लू रंग और बैगनी रंग के लाइट से सजाया गया और टाइम क्लॉक शो किया जा रहा था। ये जगह समुद्र के सतह से 193 मीटर ऊंची है।

महिला ने 3 साल की बच्ची को रेलवे–ट्रैक पर दिया धक्का

न्यूयार्क : एक महिला ने 3 साल की बच्ची को रेलवे ट्रैक पर धकेल दिया। घटना 28 दिसंबर की बताई जा रही है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 29 दिसंबर को आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हैरान करने वाला यह वीडियो अमेरिका के पोर्टलैंड शहर से सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बच्ची अपनी मां के बाजू में खड़े होकर ट्रेन का इंतजार कर रही है। तभी पीछे बेंच पर बैठी एक महिला उठती है और उसे धक्का दे देती है। इसके बाद बच्ची पटरियों पर गिर जाती है। घटना के तुरंत बाद आस–पास खड़े लोग मदद के लिए आगे आते हैं और बच्ची को बचा लेते हैं। घटना के समय मौजूद लोगों ने बताया कि जिस वक्त बच्ची को धक्का दिया गया उस समय कोई ट्रेन नहीं आ रही थी। एक अधिकारी ने कहा– बच्ची के पेट और सिर पर चोट आई है। उसे फौरन हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसकी स्थिति नॉर्मल बताई। पुलिस के अनुसार 28 दिसंबर को उन्हें सूचना मिली की एक महिला ने 3 साल की बच्ची को रेलवे ट्रैक पर धकेल दिया। वे तुरंत प्लेटफॉर्म पर पहुंचे व सीसीटीवी कैमरे की जांच की। फुटेज के आधार पर 29 दिसंबर को 32 साल की आरोपी ब्रियाना वर्कमैन को गिरफ्तार किया गया। फिलहाल वो पुलिस कस्टडी में ही है। हालांकि उसने बच्ची को धक्का देने की वजह नहीं बताई है। उससे पूछताछ की जा रही है।

पाकिस्तानी अभिनेत्री उशना शाह ने हिन्दू महिला की हत्या पर आक्रोश व्यक्त किया

इस्लामाबाद। दया भील की दुखद हत्या की खबरों पर पाकिस्तानी अभिनेत्री उशना शाह ने देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे व्यवहार की आलोचना की है, मीडिया को यह जानकारी दी गई है। समा टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, बशर मोमिन की अदाकारा ने देश में पाकिस्तानी धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ होने वाले बर्ताव पर नाराजगी जताते हुए ट्वीट किया। उन्होंने लिखा– दया भील, सिंधी हिंदू का सबसे जघन्य तरीके से बलात्कार, हत्या और सिर काट दिया गया, फिर भी मीडिया में कोई नाराजगी नहीं है। हम इस बारे में क्यों नहीं बोल रहे हैं। 44 वर्षीय विधवा दया भील की मंगलवार को कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी, और उसका क्षत–विक्षत शव सिंध के संघर जिला कार्यालय से 18 किमी दूर डिप्टी साहब गांव में उसके घर से आधा किलोमीटर दूर एक खेत में पाया गया था। एक और ट्वीट में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की कोई आवाज नहीं है, ठीक दया भील की तरह। मेरे कुछ करीबी हिंदू–पाकिस्तानी दोस्त हैं। अद्भुत, दयालु लोग, कुछ मेरे लिए परिवार की तरह भी हैं।

तनाव कम करने के लिए बातचीत से लेकर तवांग झड़प तक, इस साल कुछ ऐसे रहे भारत-चीन के संबंध

निकोसिया (एजेंसी)। भारत-चीन के बीच संबंधों में हमेशा से ही खटाश रही है, जिसे इस साल भी दोनों देशों ने मिलकर दूर करने की कोशिश की। साल की शुरुआत में एक तरह जहाँ दोनों देशों की सेना पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में तनाव को कम करने के लिए बातचीत की। इस बातचीत का नतीजा ये रहा कि दोनों देशों की सेना एलएसी के पास से पीछे हट गई। साल की शुरुआत, जो शांति से हुई थी, वो अंत में फिर से अशांति में बदल गई। गलवान के बाद एक बार फिर से चीन की सेना ने एलएसी पार करने की कोशिश की, जिसका भारतीय सेना ने मुहतोड़ जवाब दिया। सभी घटनाओं को विस्तार से पढ़ने के लिए नीचे स्क्रॉल करें।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की और सीमा की स्थिति सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। इंडोनेशिया द्वारा बाली में आयोजित की जा रही जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के इतर दोनों नेताओं ने एक घंटे तक बैठक की। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र में टकराव वाले शेष स्थानों से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया को पूरा करने की आवश्यकता से अवगत कराया।

भारत और चीन के बीच कमांडर लेवल की बैठक लद्दाख में चल रही है। कोर कमांडर लेवल की 16वें दौर की बैठक लद्दाख के चूशूल माल्डो में हो रही है। इस मीटिंग से उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं। चार महीने के बाद दोनों पक्षों की ओर से बैठक हो रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस मीटिंग में कुछ मुद्दों पर सहमति बन जाए। पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 जहां पर पिछले दो साल से भारत और चीन के सैनिक आमने सामने तैनात हैं।

एक तरफ भारत और चीन की सेना पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में तनाव को कम करने के लिए बातचीत कर रही है। वहीं दूसरी तरफ चीन की वायुसेना ने एलएसी के पास लड़ाकू विमान भेज दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक चीनी सेना के ये लड़ाकू विमान पूर्वी लद्दाख सेक्टर में एलएसी के बहुत ही करीब उड़ान भरते नजर आए। लेकिन अब चीन को भी मुंहतोड़ जवाब देने के लिए भारत ने भी अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है।

पूर्वी लद्दाख जहां चीन और भारत एलएसी के बहुत करीब दोनों तरफ से नजरें गड़ाए बैठे हैं। पैंगोंग लेक से एक बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है। इस इलाके की सैटेलाइट तस्वीरों से कई चौंकाने वाली बात सामने आई हैं। चीन पैंगोंग झील के पास अवैध निर्माण कर रहा है। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि चीन एलएसी के पास नई सड़कें, पुल और टॉवर्स बना रहा है।

भारत और चीन गोगरा-हॉटस्प्रिंग में पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 से 12 सितंबर तक डिसइंगेजमेंट पूरा हो गया। अधिकारियों ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि इलाके में जो अस्थाई ढांचा बनाया गया था उसे गिरा दिया गया है। इस इलाके की पूरी जमीन समतल कर दी गई है। साथ ही दोनों देश सेना की वापसी के मुद्दे की समीक्षा के लिए आने वाले दिनों में क्षेत्र का संयुक्त रूप से परीक्षण करेंगे।

दिसंबर 2022 में अरुणाचल प्रदेश में, चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के लोग आश्चर्य में थे। हाई रेजोल्यूशन सैटेलाइट तस्वीरें, विशेष रूप से संघर्ष के दिन ली गई, एक अलग कहानी बताती हैं, जहां घुसपैठ करने वाली पीएलए पार्टी को कई अग्रिम स्थानों पर फैले क्षेत्र में एक बड़ी भारतीय उपस्थिति के साथ मिलने की संभावना थी। चीनी सैनिक पूरी तैयारी से भारतीय सेना पर हमला करना आए थे लेकिन भारतीय सेना ने पीएलए सेना को एलएसी से खदेड़ दिया।

भारतीय और चीनी सैनिकों की अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के निकट एक स्थान पर नौ दिसंबर को झड़प हुई, जिसमें ''दोनों पक्षों के कुछ जवान मामूली रूप से घायल हो गए।'' भारतीय सेना ने सोमवार को यह जानकारी दी। पूर्वी लद्दाख में दोनों पक्षों के बीच 30 महीने से अधिक समय से जारी सीमा गतिरोध के बीच पिछले शुक्रवार को संवेदनशील क्षेत्र में एलएसी (लाइन ऑफ एक्जुअल कंट्रोल) पर यांग्त्से के पास झड़प हुई।

अरुणाचल प्रदेश का विवाद पहली बार सामने नहीं आया है। तवांग सीमा विवाद काफी पुराना है। 90 हजार वर्ग किलोमीटर पर चीन की तरफ से दावा किया जाता है। सीमा पर चीन की तरफ से इंफ्रास्ट्रक्चर बहुत ही तेजी से डेवलप किया जा रहा है। चीन सीमा पर सड़क, रेल, एयर कनेक्टिविटी बढ़ाई है और एलएसी के पास अरुणाचल प्रदेश की तरफ चीन ने बुलेट ट्रेन तक पहुंचा दी है और गांव भी बसा दी है।

झड़प की खबरों के बाद चीन ने कहा कि भारत सीमा पर स्थिति %स्थिर% है। 9 दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के तवान सेक्टर में भारतीय और चीनी सैनिकों के आमने-सामने होने के बाद चीन की यह पहली प्रतिक्रिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा, ÷जहां तक ??हम समझते हैं, चीन-भारत सीमा की स्थिति समग्र रूप से स्थिर है।÷ विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा, दोनों पक्षों ने ÷कूटनीतिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से सीमा मुद्दे पर अबाधित बातचीत बनाए रखी।चीन की सारी हेकड़ी निकालने के लिए भारतीय सेना सदैव तत्पर रहती है और अपनी तैयारियों में कभी कोई कमी नहीं आने देती। अब चूंकि यह नया घटनाक्रम तवांग से सामने आया है इसलिए आपको बता दें कि भारतीय वायुसेना पूर्वोत्तर में आज से दो दिवसीय अभ्यास करेगी जिसमें एलएसी के करीब सभी युद्धक विमान और इस क्षेत्र में तैनात अन्य संसाधन शामिल किये जाएंगे। सूत्रों ने कहा है कि इस अभ्यास का मकसद भारतीय वायुसेना की समग्र युद्धक क्षमता और इस क्षेत्र में सैन्य तैयारियों को परखना है।

पूर्व पोप बेनेडिक्ट का 95 साल की उम्र में निधन, 600 वर्षों में पोप का पद छोड़ने वाले प्रथम धर्मगुरु

वेटिकन सिटी। (एजेंसी)। धर्मनिरपेक्ष यूरोप में ईसाई धर्म के पुनर्जागरण की कोशिश करने वाले पोप एमेरिटस बेनेडिक्ट 16वें का शनिवार को निधन हो गया। वह 95 वर्ष के थे। जर्मनी से ताल्लुक रखने वाले बेनेडिक्ट एक ऐसे धर्मगुरु के रूप में याद रखे जाएंगे, जो पोप के पद से इस्तीफा देने वाले 600 वर्षों में प्रथम ईसाई धर्मगुरु थे।

पोप एमेरिटस बेनेडिक्ट सोलहवें, शर्मीले जर्मन धर्मशास्त्री, जिन्होंने एक धर्मनिरपेक्ष यूरोप में ईसाई धर्म को फिर से जगाने की कोशिश की, लेकिन नौकरी से इस्तीफा देने के लिए 600 वर्षों में पहले पोंटिफ के रूप में हमेशा याद किए जाएंगे। उनके नाटकीय निर्णय ने कॉन्क्लेव का मार्ग प्रशस्त किया जिसने पोप फ्रांसिस को उनके उत्तराधिकारी के रूप में चुना। दो पोप तब वेटिकन के बगीचों में अगल-बगल रहते थे, एक अभूतपूर्व व्यवस्था जिसने भविष्य के पॉप एमेरिटस के लिए ऐसा करने के लिए मंच तैयार किया। शनिवार सुबह वेटिकन के प्रवक्ता माटेयो ब्रूनी के एक बयान में कहा गया है कि मैं दुख के साथ सूचित करता हूं कि पोप एमेरिटस बेनेडिक्ट सोलहवें का आज सुबह 9ः34 बजे वेटिकन के मेटर एक्लेसिया मठ में निधन हो गया। आगे की जानकारी जितनी जल्दी हो सके जारी की जाएगी। वेटिकन प्रवक्ता मैत्तियो ब्रुनी द्वारा शनिवार सुबह जारी एक बयान में कहा गया, ''बड़े दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि पोप एमेरिटस बेनेडिक्ट 16वें का वेटिकन में आज निधन हो गया। यथाशीघ्र और सूचना उपलब्ध कराई जाएगी। बेनेडिक्ट ने 11 फरवरी 2013 को विश्व को उस वक्त स्तब्ध कर दिया, जब उन्होंने यह घोषणा की कि वह 1.2 अरब अनुयायियों वाले कैथोलिक चर्च का अब नेतृत्व करने में सक्षम नहीं है। वह आठ वर्षों तक इस पद रहे और इस दौरान कई विवादों का सामना करना पड़ा। उनके इस्तीफे ने इस शीर्ष पद के लिए पोप फ्रांसिस के चुने जाने का मार्ग प्रशस्त किया।

पाकिस्तान के आर्थिक हालत बेहद पस्त, आसमान छू रही मंहगाई

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की आर्थिक हालत दिन ब दिन बेहद खराब होते जा रहे हैं। पाकिस्तान वित्त मंत्रालय के अनुमान मुताबिक देश की मुद्रास्फीति 2022-2023 के बीच 21 से 23 प्रतिशत के बीच उच्च रहेगी। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण एशियाई देश का राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष 2022-2023 में जुलाई से अक्टूबर के बीच 115 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया है। वित्त मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि बाढ़ से हुई तबाही के कारण साल 2023 का आर्थिक विकास दर बजटीय लक्ष्य के नीचे रहने की संभावना है। कम विकास दर, उच्च मुद्रास्फीति और आधिकारिक विदेश मुद्रा भंडार की कमी का स्तर 'नीति निर्माताओं' के लिए कड़ी और अहम चुनौती है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, सीपीआई इन्फ्लेशन 21-23 प्रतिशत की सीमा में रहेगा। डॉन की रिपोर्ट में दिखाया गया है कि चालू खाते ने जुलाई-नवंबर वित्तीय वर्ष 2023 के लिए 3.1 अरब डॉलर का घाटा है। यह पिछले साल 7.2 अरब डॉलर के घाटे के मुकाबले मुख्य रूप से व्यापार संतुलन में सुधार के कारण था।' चालू खाता घाटा नवंबर में 27.6 करोड़ डॉलर था जो कि अक्टूबर के 56.9 करोड़ डॉलर था। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार ने शुक्रवार को यह स्वीकार किया कि अर्थव्यवस्था में समस्याएं हैं। इसके बावजूद उन्होंने निवेशकों को आश्वासन दिया कि 'पाकिस्तान के डिफॉल्ट हो जाने का सवाल ही नहीं है।'

भारत को रूस से करके दूर पुतिन के सहारे अपने दुश्मनों से निपटने की योजना बना रहा चीन

बीजिंग (एजेंसी)। साल 2022 की शुरुआत में पुतिन और जिनपिंग विंटर ओलंपिक में साथ-साथ नजर आए थे। इसके बाद देश-दुनिया में बहुत कुछ हो गया। अब दोनों ने साल की समाप्ति पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुलाकात के साथ समापन भी किया। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इन दिनों रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मजबूरी का फायदा उठाने की कोशिश में लगे हैं। पुतिन के सहारे जिनपिंग अपने दुश्मनों से निपटने की योजना बना रहे हैं। चीन रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग का लाभ लेना चाहता है।

चीन के बारे में पूरी दुनिया वाकिफ है कि वो किसी भी मौके को भुनाने में जी-जान लगा देता है। जिनपिंग ने रूस को अपने पाले में करने की कोशिश शुरू कर दी है, वो विश्व के लिए बेहद गंभीर है। पुतिन की मजबूरी का फायदा उठाने की कोशिश हो रही है। भारत जैसे देशों को रूस से दूर करने की साजिश भी रची जा रही है। इसके अलावा अमेरिका के खिलाफ सैन्य गठजोड़ बनाने की भी रणनीति है। जिनपिंग की तरफ से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर चीनी नियंत्रण की चाहत है। चीन रूस को अपने आर्थिक और सैन्य गिरफ्त में लेने की मंशा पाले बैठा है।

नो लिमिट पार्टनरशिप

रूस-यूक्रेन वॉर के बाद चीन डटकर रूस के साथ खड़ा रहा है। अमेरिका से बदले के लिए पुतिन के साथ जिनपिंग खड़े हैं। चीन का स्टैंड हमेशा से रूस के पक्ष में ही रहा है। चीन और ताइवान के बीच टेंशन में अमेरिका का ताइवान को फुल सपोर्ट है। जिनपिंग ये भलिभांति समझते हैं कि अमेरिका को कोई पटखनी देने वाला है तो वो रूस ही है। इसलिए रूस के साथ खड़ा रहना उसकी मजबूरी भी है।

चलता फिरता बम: देश में आर्थिक संकट के बीच पाकिस्तान का जुगाड़ वाला सिलेंडर, प्लास्टिक की थैलियों में बिक रहा गैस

कीव (एजेंसी)। डवांडोल अर्थव्यवस्था के बोझ तले दबी पाकिस्तानी सरकार अपने लोगों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने में नाकाम साबित हो रही है। आलम ये हो गया है कि वहां के नागरिक अपनी एलपीजी (खाना पकाने की गैस) की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्लास्टिक की थैलियों का इस्तेमाल करने को मजबूर हो गएहैं। यह भले ही भयावह हो, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाकिस्तानी रसोई गैस सिलेंडरों के स्टॉक में गिरावट के कारण एलपीजी को स्टोर करने के लिए प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे विक्रेताओं को आपूर्ति कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। खबरों के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा के करक जिले में लोगों को 2007 से गैस कनेक्शन नहीं दिया गया है, जबकि हंगू शहर पिछले दो सालों से गैस कनेक्शन से वंचित है क्योंकि गैस ले जाने वाली पाइपलाइन टूटने के बाद से ही ठीक नहीं हुई है।

प्लास्टिक की थैलियों में गैस कैसे संग्रहित की जाती है?

एक कंप्रेसर की मदद से गैस विक्रेता बैग के उद्घाटन को नोजल और वाल्व के साथ कसकर बंद करने से पहले एक प्लास्टिक बैग में एलपीजी भरा जा रहा हैं। प्लास्टिक बैग में तीन से चार किलो गैस भरने में करीब एक घंटे का समय लगता है। विडंबना यह है कि 2020 में कैबर पख्तूनख्वा के क्षेत्र से लगभग 85 बैरल तेल और 64,967 मिलियन क्यूबिक फीट गैस निकाली गई थी। इसके बावजूद लोग प्लास्टिक की थैलियों में 500 से 900 रुपये में गैस खरीदने को मजबूर हैं, क्योंकि कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत करीब 10,000 पाकिस्तानी रुपये है।

कितना खतरनाक?

प्लास्टिक की थैली में गैस ले जाने से विस्फोट का खतरा अधिक juleहै क्योंकि ऐसा माना जाता है कि यह किसी चलते हुए बम से कम नहीं है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन प्लास्टिक की थैलियों के कारण घायल होने के बाद कम से कम आठ मरीजों को पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के एक बर्न केयर सेंटर में भर्ती कराया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तुनिषा शर्मा की आत्महत्या मामले में अदालत ने बढ़ाई शीजान की न्यायिक हिरासत, 14 दिनों के लिए बढ़ाई कस्टडी

नई दिल्ली। छोटे पर्दे की मशहूर अदाकारा तुनिषा शर्मा की आत्महत्या के मामले में शीजान मोहम्मद खान की न्यायिक हिरासत वसई अदालत ने 14 दिनों के लिए बढ़ा दी है। वालीव पुलिस ने शनिवार 31 दिसंबर को शीजान को अदालत में पेश किया, जिसके बाद उसकी न्यायिक हिरासत बढ़ाई गई है। बता दें कि तुनिषा शर्मा ने बीते सप्ताह आत्महत्या की थी, जिसके बाद पुलिस ने उनके कोएक्टर और एक्स बॉयफ्रेंड शीजान को गिरफ्तार किया था। वालीव पुलिस ने शीजान को वसई अदालत में पेश किया था। पुलिस इस मामले में लगातार जांच पड़ताल में जुटी हुई है। पुलिस अब तक परिवार समेत कुल 27 लोगों के बयान दर्ज कर चुकी है।

शीजान पर पुलिस का आरोप

पुलिस ने आरोप लगाया है कि जांच में शीजान सपोर्ट नहीं कर रहा है। पुलिस ने अदालत में बताया कि शीजान अपनी ईमेल आई का वासवर्ड नहीं बता रहा है। वो अपने फोन का पासवर्ड भी साझा नहीं कर रहा है। अब तक पुलिस शीजान पर बार बार बयान बदलने के आरोप भी लगा रही थी। पुलिस का कहना है कि उन्हें कस्टडी की जरुरत है। पुलिस का कहना है कि शीजान सवालों के जवाब सही से नहीं दे रहा है। वहीं शीजान का कहना है कि उसे अपनी आईडी का पासवर्ड याद नहीं है। वहीं पुलिस को शीजान की बातों पर विश्वास नहीं हो रहा है।

दिल्ली में दिल दहला देने वाली घटना, जिम मालिक की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्वी दिल्ली इलाके में एक जिम मालिक की हत्या हो गई है। तीन लोगों की जिम मालिक महेंद्र अग्रवाल की हत्या को अंजाम दिया है। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। घटना पूर्वी दिल्ली के पॉश इलाके प्रीत विहार की है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि जिम मालिक महेंद्र अग्रवाल की हत्या पुरानी रंजिश के कारण की गई है। जानकारी के मुताबिक घटना को तीन बाइक सवारों ने अंजाम दिया है। जानकारी के मुताबिक 30 दिसंबर की रात आठ बजे महेंद्र अग्रवाल के ऑफिस में घुसकर तीन आरोपियों ने महेंद्र पर गोलियां बरसाई। आरोपियों ने महेंद्र के सिर में गोली चलाई जिससे उनकी मौके पर मौत हो गई। हत्या को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज निकाल कर पड़ताल शुरू कर दी है। वहीं साल के अंतिम दिन हुई इस वारदात के बाद इलाके में सनसनी मच गई है।

जांच में जुटी पुलिस

वहं पुलिस अब जांच में जुटी है कि महेंद्र अग्रवाल की हत्या क्यों की गई है। जिन लोगों ने महेंद्र की हत्या की है उनके साथ क्या दुश्मनी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने क्राइम ब्रांच और एफएसएल टीम को मौके पर पहुंच कर सबूत इकट्ठे करने को कहा है। सीसीटीवी फुटेज के जरिए पुलिस जांच को आगे बढ़ाने में जुटी है। फिलहाल पुलिस को यह आपसी रंजिश का मामला लग रहा है।

दलाई लामा से मिले नीतीश, महाबोधि मंदिर में की पूजा–अर्चना

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को बोधगया में तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा से मुलाकात की। दलाई लामा दो साल के अंतराल के बाद यहां आए हैं। नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित दलाई लामा यहां तिब्बती मठ में ठहरे हुए हैं। नीतीश कुमार अपराह्न करीब 12:40 बजे तिब्बती मठ पहुंचे। उनकी मुलाकात करीब आधा घंटा चली। इस मुलाकात के बाद, नीतीश कुमार महाबोधि मंदिर गए। कहा जाता है कि भगवान बुद्ध को वहीं ज्ञान प्राप्त हुआ था। अति महत्वपूर्ण लोगों के आगमन के मद्देनजर मंदिर को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया था और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मंदिर में पूजा करने के बाद कुमार ने कुछ समय प्रसिद्ध बोधि वृक्ष के पास बिताया, जिसके बारे में कहा जाता है कि बुद्ध ने वहां ध्यान किया था। इसके बाद उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हर साल, इस समय, बड़ी संख्या में लोग बोधगया आते हैं, जहां वे प्रार्थना करते हैं और प्रवचन सुनते हैं। सदियों पुरानी परंपरा का महामारी के कारण पिछले दो वर्षों से पालन नहीं किया जा सका...यह फिर शुरू हो गया है। हम दुनिया के अन्य हिस्सों में कोविड मामलों में वृद्धि को लेकर सतर्क हैं। कुमार ने कहा, ''मुझे बताया गया है कि बोधगया आने वाले लोगों की संख्या लाखों में है। यह हमारे लिए खुशी और गर्व की बात है। लेकिन हालिया तेजी (कोविड मामलों में) के कारण, अधिकारियों को विदेशी नागरिकों की जांच करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के निधन का दुखद समाचार सुना। सुबह, जैसे ही मुझे इस बारे में पता चला, मैंने शोक संदेश भेजा।

गैस त्रासदी के पीड़ितों के लिए अतिरिक्त मुआवजे की मांग को लेकर 10 महिलाएं अनशन पर बैठी

भोपाल। भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों के लिए उचित अतिरिक्त मुआवजे की मांग को लेकर 10 महिलाएं यहां नीलम पार्क में शुक्रवार से अनिश्चितकालीन निर्जला अनशन पर बैठ गई हैं। मालूम हो कि भोपाल शहर के बाहरी इलाके में स्थित यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के कीटनाशक संयंत्र से दो–तीन दिसंबर 1984 की दरम्यानी रात मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव होने से 15,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी जबकि इस जहरीले रिसाव से पांच लाख से अधिक लोग प्रभावित भी हुए। सत्याग्रह का नेतृत्व कर रहे गैस पीड़ितों के पांच संगठनों के नेताओं ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि 1984 की यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड गैस हादसे से पीड़ित 10 महिलाओं ने हादसे से हुई मौतों और घायलों के लिए उचित अतिरिक्त मुआवजे की मांग को लेकर आज भोपाल स्थित नीलम पार्क में बिना पानी के अपना अनिश्चितकालीन अनशन शुरू कर दिया है।'' उन्होंने कहा कि यदि केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार जल्द ही सुनी जाने वाली सुधार याचिका में मौतों और घायलों के आंकड़ों में संशोधन नहीं करती है तो भोपाल के पीड़ितों को एक बार फिर यूनियन कार्बाइड और उसके मालिक डाव केमिकल से उचित मुआवजे लेने से वंचित कर दिया जाएगा। भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ की अध्यक्ष रशीदा बी ने कहा, ''आज बिन पानी अनशन शुरू करने वाली हमारी 10 बहादुर बहनें निम्न जाति के हिंदू एवं मुस्लिम तथा गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों से हैं।'' उन्होंने कहा, ''ये सभी लंबे समय से गैस जनित बीमारियों से पीड़ित हैं और हादसे के कारण अधिकांश ने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया है। कुछ के बच्चे और पोते जन्मजात विकृतियों वाले हैं। फिर भी 93 प्रतिशत प्रभावित आबादी की तरह, उन्हें त्रासदी के कारण घायल होने के लिए केवल 25,000 रुपये का मुआवजा दिया गया है।'' भोपाल गैस पीड़ित पेंशनभोगी संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष बालकृष्ण नामदेव ने कहा, ''1997 में मनमाने ढंग से मृत्यु के दावों के पंजीकरण को रोकने के बाद सरकार उच्चतम न्यायालय को बता रही है कि इस त्रासदी के कारण केवल 5,295 लोग मारे गए। आधिकारिक रिकॉर्ड स्पष्ट रूप से बताते हैं कि 1997 के बाद से इस त्रासदी के कारण होने वाली बीमारियों से हजारों लोग मरते रहे हैं और मृत्यु का वास्तविक आंकड़ा 25,000 के करीब है।'' उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र सरकारों पर शासन करने वाली पार्टी, जो मौत के आंकड़ों को कम कर रही है, डाव केमिकल के करीबी हैं, जिसे पार्टी के अभियान कोष में योगदान देने के लिए जाना जाता है। पीड़ित महिलाओं के निर्जल उपवास पर बोलते हुए भोपाल ग्रुप फॉर इंफॉर्मेशन एंड एक्शन की रचना ढींगरा ने कहा, ''हमारा सत्याग्रह यह सुनिश्चित करने के लिए है कि 10 जनवरी को सुधार याचिका की सुनवाई करने वाली उच्चतम न्यायालय की पीठ को अमेरिकी कंपनियों द्वारा ढाहे गए नुकसान का सही अन्दाज लग सके।''

2023 चुनाव से पहले एक्शन मोड में दिख रही बीजेपी, अमित शाह ने जेडीएस के गढ़ में डाला डेरा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में आगामी साल 2023 में विधानसभा चुनाव होंगे। सभी राजनीतिक दल चुनाव जीतनें की तैयारियों में जुट गए हैं। आगामी विधानसभा के चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। वहीं, भाजपा ने भी इसके मद्देनजर अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2023 के चुनावों से ठीक पहले केएस ईश्वरप्पा और रमेश जारकीहोली जैसे असंतुष्ट भाजपा विधायकों को समायोजित करने के लिए बहुप्रतीक्षित कर्नाटक सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार को आज हरी झंडी दे दी। उन्होंने मई में होने वाले राज्य में 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले ग्राउंड लेवल की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए कर्नाटक में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र, भाजपा महासचिव और राज्य प्रभारी अरुण सिंह, राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष और राष्ट्रीय सचिव सीटी रवि जैसे पार्टी के अन्य नेता उपस्थित थे।

भाजपा पुराने मैसूर क्षेत्र में पैठ बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, जो जनता दल (सेक्युलर) और कांग्रेस का पारंपरिक गढ़ है। सत्तारूढ़ दल को इस क्षेत्र में अपनी पहली जीत 2019 में ही मिली, जब जद (एस) के एक नेता ने उनके साथ शामिल होने के लिए पाला बदल लिया। पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) प्रमुख एचडी देवेगौड़ा के साथ मंच साझा करते हुए, अमित शाह ने पुराने मैसूरु क्षेत्र के हिस्से मांड्या जिले के मद्दुर तालुक में मेगा डेयरी संयंत्र का उद्घाटन किया, जिसकी क्षमता लगभग 14 लाख लीटर संसाधित करने की है। अमित शाह ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि सिद्धारमैया, जिन्होंने 2013 से 2018 तक राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने अब प्रतिबंधित इस्लामिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के खिलाफ मामले वापस ले लिए। राज्य में भाजपा के सत्ता में आने के बाद ही पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया गया और इसके नेताओं को गिरफ्तार किया गया।

मांड्या के पास सात विधानसभा सीटें हैं - छह जद (एस) के पास और एक भाजपा के पास है, जिसे उसने उपचुनाव में जीता था। उन्होंने कहा, 'जद (एस)-कांग्रेस को कई मौके दिए गए हैं और वे बारी-बारी से करते रहे हैं। इस बार मांड्या और मैसूरु में कमल खिलेगा। हम बहुमत हासिल करेंगे।

परिसीमन से पहले असम सरकार का बड़ा फैसला, बीजेपी ने मुस्लिम बहुल सीटों का फायदा उठाने के लिए बनाई रणनीति?

नयी दिल्ली (एजेंसी)। असम सरकार ने शनिवार को चार जिलों को चार अन्य जिलों में विलय करने का फैसला किया और कुछ गांवों के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र को बदल दिया। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद यहां एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा करते हुए, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम, उनके समाज और प्रशासनिक आवश्यकताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय भारी मन से लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल 'अस्थायी' था और निर्णय के पीछे के कारण का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा, 'जबकि विश्वनाथ जिले को सोनितपुर में मिला दिया जाएगा, होजई को नागांव में मिला दिया जाएगा, बजाली को बारपेटा में और तमुलपुर को बक्सा में मिला दिया जाएगा।'

शनिवार को कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिए जाने थे क्योंकि चुनाव आयोग ने 1 जनवरी, 2023 से असम में नई प्रशासनिक इकाइयाँ बनाने पर प्रतिबंध लगा दिया है क्योंकि चुनाव आयोग राज्य में परिसीमन अभ्यास करेगा। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में कुछ गांवों और कुछ कस्बों के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में भी बदलाव किया गया है।

मर्ज किए गए जिले ज्यादातर हाल के दिनों में बनाए गए थे और सरमा ने कहा कि वह इन जिलों के लोगों से माफी मांगना चाहते हैं लेकिन उम्मीद है कि वे फैसलों के महत्व को समझेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के मंत्रियों की एक टीम इन जिलों का दौरा करेगी और प्रमुख संगठनों और नागरिकों के साथ बातचीत करेगी और उन फैसलों के कारणों को बताएगी जिनका खुलासा सार्वजनिक रूप से नहीं किया जा सकता है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि विलय किए गए चार जिलों के पुलिस और न्यायिक जिले जारी रहेंगे क्योंकि वे अन्य कार्यालयों और अधिकारियों के साथ हैं। चुनाव आयोग ने 27 दिसंबर को कहा कि उसने असम में विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन की शुरुआत की और सीटों के समायोजन के लिए 2001 की जनगणना के आंकड़ों का उपयोग करेगा।

रिजिजू ने कहा कि एपीपीएससी प्रश्नपत्र लीक मामले में दोषी बख्शा नहीं जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय विधि मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि जो भी अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) प्रश्न पत्र लीक मामले में शामिल पाया जाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। इस साल सहायक अभियंता (सिविल) परीक्षा में प्रश्न पत्र लीक मुद्दे पर चिंता जताते हुए रीजीजू ने कहा कि देश की प्रमुख जांच एजेंसी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) इस घोटाले के पीछे के सच का पता लगाने के लिए मामले की जांच कर रही है। ईटानगर के समीप नाहरलगुन में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए लोकसभा में अरुणाचल पश्चिम संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले रीजीजू ने कहा, ''नौकरी घोटाले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्ती से जांच होनी चाहिए। यह घोटाला हम सभी के लिए चिंता की बात है, क्योंकि एपीपीएससी एक स्वायत्त निकाय है और इसमें काम कर रहे लोगों को इसके बारे में पुनर्विचार करना चाहिए।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''मैंने इस घटना का पता चलने के बाद मुख्यमंत्री से बात की और उन्हें सुझाव दिया कि आयोग के सभी सदस्यों को जनता का विश्वास तोड़ने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि किसी को भी जांच प्रक्रिया को प्रभावित नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''जांच एजेंसी को स्वतंत्र रूप से काम करने दीजिए और जो भी घोटाले में शामिल पाया जाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा।'' गौरतलब है कि यह कथित पेपर लीक घोटाले का मामला तब सामने आया, जब एक उम्मीदवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज करायी थी। गत 26 और 27 अगस्त को हुई इस परीक्षा में 400 से अधिक अभ्यर्थी बैठे थे।

विजिलेंस की रडार पर आए पंजाब के पूर्व सीएम चन्नी, बेटे की शादी के बहाने किया करोड़ों का घोटाला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरण जीत सिंह चन्नी इन दिनों फिर से चर्चा में आ गए है। अब विजिलेंस का शिकंजा उन पर कसने वाला है। विजिलेंस ब्यूरो को चरणजीत सिंह चन्नी के खिलाफ एक शिकायत मिली है। इस शिकायत के आधार पर विजिलेंस विभाग ने जांच शुरू कर दी है।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री पर आरोप है कि धोखाधड़ी कर उन्होंने 1.47 करोड़ रुपये के घोटाले को अंजाम दिया है। पंजाब में नवंबर 2021 में दास्तान ए शहादत कार्यक्रम का आयोजन हुआ था, जिसमें ये घोटाला किया गया है। जानकारी के मुताबिक 1.47 करोड़ रुपये की ये राशि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने बेटे की शादी में खर्च की है। विजिलेंस विभाग अब इसकी जांच करेगा। बता दें कि चरणजीत सिंह चन्नी के बेटे की शादी 10 अक्टूबर 2021 को हुई थी।

इस मामले की शिकायत राज्य पर्यटन विभाग के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक एस के चड्ढा और कार्यकारी अभियंता प्रेम चंद के खिलाफ की गई है। शिकायतकर्ता ने कहा कि शहादत समारोह मे घोटाला किया गया है, जिसके बाद जांच शुरू की गई है। शिकायत के मुताबिक शहादत कार्यक्रम में 12 रुपये में मिलने वाली चाय को 2000 रुपये का खरीदा गया। वहीं ये अतिरिक्त खर्च चन्नी के बेटे की शादी में खर्च किया गया है।

हुई सरकारी धन की लूट

शिकायत के मुताबिक पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी के बेटे की शादी 10 अक्टूबर 2021 को हुई थी। इस समारोह में हुए अतिरिक्त खर्चे को नवंबर 2021 में आयोजित हुए शहादत कार्यक्रम के खर्चे के तौर पर दिखाया गया है। ये सीधे तौर पर सरकारी धन की लूट को दर्शाता है। बता दें कि इस दौरान पर्यटन विभाग चन्नी के पास था। इस दौरान पर्यटन विभाग ने चन्नी के दिशा निर्देशों पर निविदाएं भी नियमों का उल्लंघन करते हुए जारी की थी, जिसके जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया है।

पड़ोसी से अच्छे संबंध चाहते हैं लेकिन...जयशंकर के बयान ने बड़े-बड़े देशों में मचाया तहलका

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपनी साइप्रस यात्रा के दौरान एक संबोधन में पाकिस्तान पर परोक्ष रूप से निशाना साधा और चीन को कड़ा संदेश दिया। मंत्री ने कहा कि मूल मुद्दों पर कोई समझौता नहीं होगा क्योंकि आतंकवाद से भारत जितना पीड़ित कोई देश नहीं है। उन्होंने कहा, हम बहुत स्पष्ट हैं कि हम आतंकवाद को सामान्य और युक्तिसंगत नहीं बनाएंगे। विदेश मंत्री ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा, ÷हम आतंकवाद को कभी भी बातचीत की मेज पर आने के लिए मजबूर नहीं होने देंगे। हम हर किसी के साथ अच्छे पड़ोसी संबंध चाहते हैं, लेकिन इसका मतलब आतंकवाद को बहाना बनाना या दूर देखना या तर्कसंगत बनाना नहीं है।

चीन के साथ सीमा मुद्दों पर एस जयशंकर ने कहा कि कोविड के दौरान चुनौतियां तेज हो गई हैं और चीन के साथ संबंध सामान्य नहीं हैं। हमारी सीमाओं पर चुनौतियां हैं जो कोविड के दौरान तेज हो गई हैं। अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच झड़प के कुछ दिनों बाद उन्होंने कहा, चीन के साथ संबंध सामान्य नहीं हैं क्योंकि हम एलएसी को एकतरफा बदलने के किसी भी प्रयास के लिए सहमत नहीं होंगे।

भारतीय और चीनी सैनिक 9 दिसंबर को तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भिड़ गए, 2020 के बाद से दोनों देशों की सेनाओं के बीच पहली बार सीमा पर झड़प हुई। चीनी क्षेत्र में एक भारतीय पोस्ट को उखाड़ना चाहते थे, जिसे भारतीय सैनिकों ने सफलतापूर्वक विफल कर दिया, जिन्होंने चीनी पीएलए सैनिकों का डटकर सामना किया। दोनों पक्षों को मामूली चोटें आने की सूचना है।

स्टालिन ने कहा कि बीजेपी अपने दम पर तमिलनाडु में एक भी सीट नहीं जीत सकती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम के स्टालिन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि वह राज्य सरकारों को प्रदत्त अधिकारों को 'छीनने' की कोशिश कर रही है और समवर्ती सूची के विषयों को अपना मान रही है। केंद्र सरकार के कई कार्यों को संवैधानिक मूल्यों के विपरीत बताते हुए स्टालिन ने आरोप लगाया कि विशेषकर उन राज्यों में जहां गैर-भाजपा सरकारें हैं, भाजपा राज्यपालों के माध्यम से ''समानांतर सरकार'' चलाने की कोशिश कर रही है।

स्टालिन ने एक विशेष साक्षात्कार में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''विधिवत निर्वाचित सरकारों को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे 'नियुक्त' राज्यपालों का व्यवहार और दृष्टिकोण हमारे संविधान का मजाक है।'' स्टालिन ने कहा कि सिर्फ द्रमुक ही नहीं, बल्कि केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस), पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) समेत कई पार्टियां इस चलन के खिलाफ आवाज उठा रही हैं। कुछ गैर-भाजपा शासित राज्यों में राज्यपालों और सरकारों के बीच गतिरोध की पृष्ठभूमि में द्रमुक प्रमुख की यह टिप्पणी आई है। उन्होंने कहा, ''राज्यपालों का राजनीतिक खेल खेलना राष्ट्र के लोकतांत्रिक और संघीय स्वरूप के लिए अच्छा नहीं है। इसमें सुधार होना चाहिए।'' गुजरात के हालिया विधानसभा चुनाव में भाजपा की भारी जीत संबंधी सवाल पर स्टालिन ने कहा कि एक राज्य के चुनावों के परिणामों के आधार पर पूरे देश का मूड तय नहीं किया जा सकता है और न ही करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''राज्य चुनावों और राष्ट्रीय चुनावों के लिए खेल के नियम अलग हैं।'' स्टालिन ने यह भी कहा कि देश में एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भाजपा के समर्थन में ''भिन्नता'' है। विशेष रूप से तमिलनाडु के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने अतीत में और पिछले विधानसभा चुनाव में क्षेत्रीय सहयोगियों की मदद सेविधानसभा सीट जीती है। भाजपा अपने दम पर एक भी सीट नहीं जीत सकती।

कश्मीर में आतंकियों के लिए काल बनीं भारतीय सेना! साल 2022 में 186 आतंकवादी मारे गये, 159 गिरफ्तार

जम्मू।(एजेंसी)। साल 2019 में जब से जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटी है तब से वहां के हालात बदले हैं। कश्मीर में नया सिनेमाघर खोला गया। रोजगार के अवसर युवाओं को दिए जा रहे हैं। कश्मीर के युवाओं के हाथों में जो आतंकियों मे पत्थर पकड़ाए थे उसे हटा कर भारत सरकार किताबें पकड़ा रही हैं। टारगेटिंग कीलिंग और कुछ घटनाओं को अगर छोड़ दिया जाएं तो साल 2022 आतंकियों के लिए काफी भारी रहा हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार को 2022 को हाल के वर्षों में सबसे सफल बताया, जिसमें वर्ष 2022 में 56 पाकिस्तानियों सहित कुल 186 आतंकवादी मारे गए हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने भी गिरफ्तार किए गए 159 लोगों को जोड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में 'जीरो टेरर' गतिविधियां हासिल करने के लिए पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

जम्मू कश्मीर से हो रहा है आतंक का सफाया, साल 2022 रहा सफल: जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने शनिवार को कहा कि 2022 में 56 पाकिस्तानी नागरिकों सहित कुल 186 आतंकवादी मारे गए और 159 को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने दावा किया कि हाल के समय में यह साल सबसे सफल वर्ष रहा। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में कोई भी आतंकवादी गतिविधियां नहीं होने (जीरो टेरर) के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

पाकिस्तान की योजनाओं में भारतीय सेना ने लगाई सेंध : पुलिस प्रमुख ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 146 पाकिस्तान निर्मित आतंकी मॉड्यूल, जिनमें चार से पांच सदस्य शामिल थे, जिन्हें चुनिंदा और लक्षित हत्याओं और ग्रेनेड और आईईडी हमलों को अंजाम देने का काम सौंपा गया था, उनका भी 2022 में भंडाफोड़ किया गया। उन्होंने कहा कि इस साल जम्मू-कश्मीर में 100 युवा आतंकवाद में शामिल हुए, जो कई सालों में सबसे कम है। उन्होंने कहा कि इनमें से ज्यादातर का सफाया कर दिया गया, जबकि सुरक्षा बल सक्रिय आतंकवादियों की संख्या को दो अंकों के आंकड़े तक लाने के लिए काम कर रहे हैं जो वर्तमान में 100 से थोड़ा अधिक है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई